व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की सबसे.. 05

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

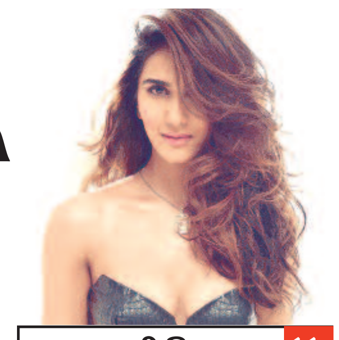

अगली फिल्म सर्वगुण संपन्न में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 119 | गाजियाबाद / शनिवार 01 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

2011 से अलग रह रहे उमर अब्दुल्ला-पायल का तलाक

32 साल पहले हुई थी शादी, सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से डिवोर्स को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल को तलाक की मंजूरी दे दी है। उनकी शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे। दोनों ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने का फैसला किया है। उमर अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी शादी को खत्म करने से इनकार कर दिया था। उमर और पायल की मुलाकात दिल्ली के

ओबेरॉय होटल में काम करने के दौरान हुई थी। उन दोनों के दो बेटे हैं, जिनके नाम जहीर और जमीर हैं। एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस मामले की पैरवी की।

- **300 करोड़ की एलिमनी मांगने का आरोप-** सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों को एकसाथ बैठकर मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष गंभीरता दिखाएंगे और मामला सुलझ जाएगा। सुनवाई के दौरान उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया था कि पायल तलाक नहीं देना चाहतीं और 300 करोड़ की एलिमनी की मांग कर रही हैं।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही

- 9 लोगों की मौत, मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा
- 4-5 लोगों के फंसे होने की आशंका, रेसक्यू है जारी

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11.30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 से 5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था। एक अधिकारी ने इस बिल्डिंग में रह रहे लोगों के हवाले से बताया कि गुरुवार रात करीब 9 बजे इमारत में जोरदार चटकने की आवाजें सुनी गईं। कुछ लोगों ने दरारें भी देखीं। इसके बाद स्थानीय लोगों ने परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट करना शुरू कर दिया, तभी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। घटनास्थल पर नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ), ठाणे रिस्पॉन्स फोर्स और फायर ब्रिगेड की टीमों ने रेस्क्यू किया।

संसद में एमपी पप्पू यादव पुजारी बनकर पहुंचे, राहुल ने चंदा दिया

- राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह

संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था। इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं।

- **रिजिजू बोले- सदन में बिल पर चर्चा करें, हंगामा नहीं-** किरेन रिजिजू ने कहा कि हम चाहते हैं कि भविष्य में ऐसा न हो। आप चर्चा में शामिल नहीं होते और बाहर जाकर कहते हैं कि सरकार चर्चा नहीं कराती। अगला बिल लेकर आएंगे और आप हंगामा करेंगे तो अच्छा नहीं होगा। चर्चा करें, हंगामा ना करें। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश

- बंगाल के बर्धमान से जैश का आतंकी अरेस्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश सामने आई है। एसटीएफ ने राज्य के बर्धमान जिले से हामिद मंडल के आतंकी को अरेस्ट किया है। एसटीएफ ने हामिद मंडल के जैश से जुड़े होने का दावा किया। एसटीएफ की तरफ से आतंकी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद 9 मई को राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल

एसटीएफ ने बर्धमान जिले से जैश ए मुहम्मद के आतंकी हामिद मंडल को गिरफ्तार किया है। बंगाल पुलिस के अनुसार, जैश से जुड़े आतंकी हामिद मंडल ने सीएम शुभेंदु अधिकारी की हत्या की साजिश रची थी। हामिद मंडल को गुरुवार देर रात बर्धमान जिस किराये के फ्लैट से गिरफ्तार किया, उसमें दो-तीन महीनों से छिपकर रह रहा था।

हामिद सज्जाद भट समूह से जुड़ा है आतंकी

एसटीएफ के अनुसार आतंकी हामिद को बर्दवान के रेनेसां हाउसिंग से गिरफ्तार किया गया है। वह जैश-ए-मुहम्मद का आतंकवादी हामिद सज्जाद भट समूह से जुड़ा है। एसटीएफ ने कहा है कि वह कई सालों से बंगाल में रह रहा था। गिरफ्तार हामिद के पास से सभी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पाकिस्तान के कराची में गैंगवार, जमकर चलीं गोलियां

- फिल्म 'धुरंधर' वाले उजैर बलोच के भाई पर हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जेल में बंद कराची के गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर जानलेवा हमला हुआ है। जुबैर को गुरुवार शाम को कराची के लियारी इलाके में गोली मार दी गई। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जुबैर की हालत गंभीर है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, जुबैर को सीने और पेट में गोली लगी है। उसे शहर के सिविल

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोलीबारी में दो राहगीर भी घायल हुए हैं। उजैर बलोच को लियारी का किंग कहे जाने वाले अब्दुल रहमान उर्फ रहमान डकैत के दाहिने हाथ के रूप में जाना जाता है। रहमान डकैत के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने के बाद उजैर बलोच ने लियारी की गद्दी संभाल ली थी। हाल के दिनों में उजैर बलोच का नाम भारतीय स्पाई-थ्रिलर फिल्म धुरंधर की वजह से एक बार फिर सुर्खियों में आया है। फिल्म में उजैर का किरदार दानिश पंडोर ने निभाया है।

उफान पर नदियां, हाईवे तक पहुंचा पानी

- गुजरात-उत्तराखंड में स्कूल बंद, यूपी में हाहाकार
- एमपी और महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में मानसून फिर से कमजोर पड़ गया है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू समेत 10 नदियां उफान पर हैं। वहीं, बिजनौर में गंगा का पानी बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रहा है। गुजरात में आज सभी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, उत्तराखंड में भी खराब मौसम को देखते हुए बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में भी स्कूल बंद हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर, बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। इसकी वजह पश्चिम की तरफ से आ रही गर्म हवाएं हैं। मध्य प्रदेश में मानसून के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम ऐक्टिव हैं। इसके चलते अगले 2 दिन प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा राजस्थान, बिहार समेत 7 राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। **गुजरात में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात-** बंगाल की खाड़ी से उठ रहे तूफान के कारण गुजरात के सूरत में प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खराब मौसम की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

- **अरुणाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड की चेतावनी-** मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में 31 जुलाई से भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। विभाग ने 9 जिलों के लिए फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ का अलर्ट भी जारी किया है। तेलंगाना के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़कर 43 फीट पहुंच गया है।

इसके बाद प्रशासन ने पहला खतरे का अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं, नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 9.32 लाख क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम की ओर छोड़ा गया है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

- **महाराष्ट्र के सतारा में लैंडस्लाइड से सड़क बंद-** महाराष्ट्र के सतारा जिले में भारी बारिश के कारण दो जगह लैंडस्लाइड हुआ। इससे ढेबेवाड़ी-नवरास्ता मार्ग को बंद कर दिया गया। लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ने के कारण पुराना संगमनगर पुल भी पानी में डूब गया। प्रशासन ने लोगों से बिना जरूरी काम के यात्रा न करने की अपील की है।
- **मध्य प्रदेश के खंडवा में टापू पर फंसे 4 लोगों का 11 घंटे बाद रेस्क्यू-** मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में दो नदियों के बीच बने एक टापू पर चार लोग फंस गए थे। उन्हें करीब 11 घंटे लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चारों पिकनिक मनाने गए थे।

इसी दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से वे टापू पर फंस गए। राहत अभियान के दौरान ड्रोन की मदद से उन्हें भोजन पहुंचाया गया। इसके बाद बचाव दल ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

भरत एनकाउंटर में पहली गोली मारने वाला जवान गिरफ्तार

- बिहार सीएम से परिवार की मुलाकात के बाद ऐक्शन, 5 गोलियां मारी गई थीं

आरा (एजेंसी)। बिहार में भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर में बड़ी कार्रवाई हुई है। उस पर गोली चलाने वाले बिहार एसटीएफ के जवान अक्षय कुमार को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। भरत तिवारी का एनकाउंटर 17 जून को हुआ था। उसकी मां आशा देवी ने अक्षय कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी जवान को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोप है कि आत्मसमर्पण करने के बाद भरत तिवारी को सबसे पहली गोली अक्षय कुमार ने मारी थी। एनकाउंटर की जांच के दौरान कई बार बुलाने के बाद भी वह पूछताछ के लिए नहीं आया।

- **मां ने कहा-एसटीएफ जवान ने पहली गोली चलाई थी-** भरत एनकाउंटर में पहली गिरफ्तारी पर आशा देवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पुलिस ने कार्रवाई की है। आगे भी ऐक्शन होना चाहिए। एसडीएम, डीएसपी की भी गिरफ्तारी होनी चाहिए, भरत ने उनका नाम लिया था। दरोगा भी शामिल था। उसे भी गिरफ्तार करना चाहिए। सीएम ने इंसाफ दिलाने की बात कही है, मुझे उन पर भरोसा है।'

पीएम पर टिप्पणी करने वाली लड़की पर एफआईआर का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की रुचिका सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध किया है। प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि लड़की के खिलाफ आपराधिक केस की जगह मानहानि का केस दर्ज करना चाहिए। यह कार्रवाई मशीनरी का दुरुपयोग है। इस देश में लोग चलते-फिरते गाली देते हैं। यह अपराध कैसे बन गया। यह मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर का है। छात्रों के प्रदर्शन के दौरान वीडियो में लड़की पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती नजर आई थी। गाजियाबाद की रहने वाली स्मृति सिंह ने रुचिका के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जानबूझकर अपमान करने का आरोप है।

मेरे पिता घर आए तो खून से लाल थी वर्दी

- सीजेपी प्रदर्शन पर पुलिस परिवारों का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में घायल दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों के परिजन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 20 तारीख के बाद यही नेरेटिव चलाया जा रहा है कि छात्रों को पुलिस ने पीटा, लेकिन प्रोटेस्ट का सच कुछ और ही है। हमला पुलिसवालों पर भी हुआ है। घायल पुलिसवाले की बेटी गुंजन ने कहा- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व भी थे: मेरे पिता जंतर-मंतर पर बैरिकेड के पास तैनात थे। वे अक्सर कहते थे कि यह अब सिर्फ छात्रों का प्रदर्शन नहीं रहा, इसमें असामाजिक तत्व भी शामिल हो गए हैं। 20 जुलाई को रात 10 बजे मेरे पिताजी को उनके साथी घर लेकर आए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। हिंसक भीड़ ने उन्हें घसीटा और जंतर-मंतर मंच के पास पीट-पीटकर मारने की कोशिश की थी। वे करीब चार घंटे तक अस्पताल में बेहोश रहे, फिर भी सोशल मीडिया पर उन्हें ही क्रिमिनल बताया गया।

एसआई की पत्नी बोलीं

शरारती तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया

20 जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल किया, तो वो हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे। भीड़ में मौजूद शरारती तत्वों ने पत्थर और हथियारों से पुलिस जवानों को घायल कर दिया था। इसके बाद उनका फोन बंद हो गया। रात 11 बजे जब पति घर आए, तो उन्होंने बताया कि संसद की सुरक्षा के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ा गया और पुलिस फोर्स पर हमला किया गया। ड्यूटी के दौरान उन्हें मिला हेलमेट पूरी तरह टूट चुका था। मेरे पिता एसआई हैं। उन्हें बहादुरी के लिए 4 सम्मान मिल चुके हैं। मेरे दादाजी भी बीएसएफ में थे। 1971 की जंग लड़ चुके हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन में पिता फ्रंटलाइन पर तैनात थे। उनके साथी से पता चला कि उनके सिर में गंभीर चोट लगी है। जब उनकी तस्वीर देखी तो सिर मुंडा हुआ था और चार टांके लगे थे। मैं डर गया था। पिता ने बताया कि प्रदर्शन में सिर्फ छात्र नहीं थे, बल्कि हिंसक और उपद्रवी लोग भी थे।

पीछे की जमीन पर पढ़ी गई जुमे की नमाज

- भोजशाला में 'सुप्रीम' फैसले के बाद पुलिस ने की व्यवस्था
- आसपास बैरिकेडिंग, स्थानीय लोगों ने जताई थी आपत्ति

इंदौर (एजेंसी)। धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद शुक्रवार को एक नया घटनाक्रम सामने आया। प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के बीच गुरुवार देर रात हुई चर्चा के बाद भोजशाला परिसर की पिछली बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर जुमे की नमाज अता करने पर सहमति बनी। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और पुलिस बल के साथ बैरिकेडिंग कराई। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच मुस्लिम समाज के लोग नमाज के लिए निर्धारित स्थल पर पहुंचे। बारिश के कारण जमीन गीली होने पर वहां तिरपाल बिछाई गई। शुरुआत में करीब 10 से 15

लोग जुमे की नमाज अता करने पहुंचे। धीरे-धीरे नमाजियों का सिलसिला बढ़ते-बढ़ते 100 से ऊपर पहुंच गया। कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के सदर अब्दुल समद एवं याचिकाकर्ता भी नमाज पढ़ने स्थल पर पहुंचे।

जगह को लेकर स्थानीय लोगों ने जताई आपत्ति- हालांकि नमाज के लिए तय किए गए स्थल को लेकर स्थानीय हिंदू समाज के कुछ लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है। दरअसल, भोजशाला के पीछे रहने वाले रहवासियों का दावा है कि यह जमीन निजी कृषि भूमि है और उसका स्वामित्व उनका है। उनका कहना है कि इस जमीन पर नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

बारिश के बीच प्रशासन ने संभाला मोर्चा

पूरे घटनाक्रम को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने भोजशाला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। दोनों पक्षों के आवागमन के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं। बारिश के कारण नमाज स्थल की जमीन गीली होने पर प्रशासन की ओर से तिरपाल आदि की व्यवस्था कराई गई, ताकि नमाज के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। इस दौरान प्रशासन ने क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है। यहां पर यह बता दें कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश के बाद भोजशाला परिसर में नियमित पूजा जारी है, जबकि मस्जिद पक्ष पिछले कुछ समय से अपने घरों या स्थानीय मस्जिदों में नमाज पढ़ रहा है। 30 जुलाई को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था के तहत यह कहा था।

पत्नी और तीन बेटों की हत्या पर पति को फांसी, 2 लाख जुर्माना भी

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक जघन्य हत्याकांड के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने पत्नी और तीन मासूम बेटों की गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले जितेंद्र कुशवाहा को फांसी की सजा के साथ-साथ दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह वीभत्स घटना 26 अगस्त, 2021 को कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर के गुरमिया गोपाल टोला में घटी थी। दोषी जितेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी लीलावती और बेटों आकाश (8), विकास (6) व रिंकू (4) का धारदार हथियार (सब्जी काटने वाला पहसुल) से गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना की जानकारी मृतक लीलावती के पिता रामजीत कुशवाहा ने पुलिस को दी थी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और धारदार हथियार भी बरामद किया गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ने बताया कि इस मामले में कुल 12 गवाहों की गवाही हुई। सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने जितेंद्र कुशवाहा को दोषी करार दिया।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा विधायक को सुना दी खरी-खरी, राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी पर मचा घमामान

चैन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा विधायक यशपाल सुवर्ण की कथित विवादित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि उडुपी के विधायक के पास कांग्रेस नेता पर इस तरह की टिप्पणी करने की कोई नैतिक या राजनीतिक साख नहीं है। खादर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अपमानजनक बयान तटीय कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपरा को नहीं दर्शाते। उन्होंने इसे क्षेत्र की लोकतांत्रिक चर्चा पर एक ''काला धब्बा बताया और कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने बयानों में गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए। यह विवाद मंगलवार को उडुपी में आयोजित भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान सामने आया, जहां यशपाल सुवर्ण ने राजनीतिक मुद्दों को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उनकी टिप्पणियों के बाद कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई। यूटी खादर ने कहा कि तटीय कर्नाटक में लंबे समय से राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हमले लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नीतियों और मुद्दों पर बहस करें, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें। खादर ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसे सम्मानजनक भाषा और स्वस्थ संवाद के जरिए व्यक्त किया जाना चाहिए।

19 साल बाद कोलकाता लौटेंगी तसलीमा नसरीन

कोलकाता (एजेंसी)। करीब 19 साल के लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेशी लेखिका तसलीम नसरीन एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। अपनी चर्चित किताब 'द्विखंडितो'को लेकर हुए विरोध और विवाद के बाद वर्ष 2007 में उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था। अब 1 अगस्त को वह शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी, जिसे वह कभी अपना दूसरा घर मानती थीं। वापसी को लेकर तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह अपने ही देश लौट रही हैं। उनके अनुसार, बंगाल उनके लिए कभी सीमाओं या कंटीले तारों में बंटा हुआ नहीं रहा। पूर्वी बंगाल का हिस्सा भले ही उनके लिए बंद हो गया हो, लेकिन पश्चिम बंगाल आज भी उनके लिए अपना घर है।

तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से कोलकाता नहीं छोड़ा था, बल्कि परिस्थितियों के कारण उन्हें शहर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि कोलकाता केवल रहने की जगह नहीं थी, बल्कि वहां उनके दोस्त, पाठक और अपनापन था। उनके मुताबिक, उनसे जीवन के 19 महत्वपूर्ण साल छिन गए, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। लेखिका ने अपनी वापसी को अभिव्यक्ति की आजादी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि धमकियां और कट्टरपंथी विरोध किसी लेखक को जगह छोड़ने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने लेखकों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर भी बात की। तसलीम नसरीन ने कहा कि तकनीक ने जहां विचार व्यक्त करने के नए रास्ते खोले हैं, वहीं ऑनलाइन ट्रोलिंग और संगठित विरोध के जरिए लेखकों को डराने के तरीके भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और परंपरा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश आज भी जारी है। हालांकि, उन्होंने युवा पीढ़ी और महिलाओं में बढ़ती सवाल करने की प्रवृत्ति को बदलाव की उम्मीद बताया। उनका कहना है कि सामाजिक परिवर्तन विरोध और बहस के जरिए ही आगे बढ़ता है। नई पीढ़ी और नए लेखकों को संदेश देते हुए तसलीम नसरीन ने कहा कि हर मुद्दे पर सवाल करना चाहिए, चाहे वह धर्म, सत्ता, राजनीति या परंपरा से जुड़ा हो। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे दूसरों के पूर्वाग्रहों को अपनी सोच का आधार न बनाएं। तसलीम नसरीन को उम्मीद है कि उनका कोलकाता दौरा केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा और वह भविष्य में इस शहर में बिना किसी डर के आ-जा सकेंगी।

बांका में श्रावणी मेले का हुआ आगाज, कांवड़िया पथ पर उमड़ा जन सैलाब

पटना(एजेंसी)। बिहार के बांका में श्रावणी मेले का आगाज हो चुका है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़िया पथ पर बोलबम और हर-हर महादेव के जयघोष लग रहे हैं। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कांवरिया पथ पर व्यापक तैयारियां की गई है। मेला शुरू होते ही सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर सक्रिय हो गए। जिला सीमा स्थित बदुआ नदी तट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। वॉच टावर से निगरानी की जा रही है, जबकि भ्रमणशील पुलिस दस्ता भी पूरे कांवरिया पथ पर गश्त कर रहा है। पर्यटन विभाग एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थापित सूचना केंद्रों ने भी काम करना शुरू कर दिया है, जहां श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पीएचईडी विभाग की ओर से बनाए गए शौचालय और स्नानागार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोल दिए गए हैं। जोरीपार और शिवलोक में भी प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती दिखीं। जिलेबिया मोड़ स्थित उपनियंत्रण कक्ष ने भी कार्य शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सा शिविर भी चालू हो गया है, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और उपलब्ध कराया जा रहा है। सावन माह का पहला दिन होने के कारण गुरुवार दोपहर तक कांवड़िया पथ पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन शाम तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी।

तीस्ता विवाद पर भारत की नई कूटनीति हो रही सफल!

भारत से छीनकर चीन को दिया था तीस्ता प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से लंबित तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट को लेकर कूटनीतिक गलियारों में एक बड़ा सकारात्मक अपडेट सामने आया है। ढाका में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने इस संवेदनशील विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत का एक नया रास्ता निकाला है। यह पहल ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट भारत के हाथ से फिसलकर चीन की झोली में जाने की चर्चाएं जोरों पर थीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा था। बुधवार को ढाका में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान के साथ हुई दिनेश त्रिवेदी की हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद जारी बयान ने चीन से लेकर बांग्लादेश तक हलचल तेज कर दी है। इस मुलाकात का सबसे बड़ा केंद्र तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि जैसे संवेदनशील विवाद रहे। पत्रकारों द्वारा भारत से छिनते दिख रहे तीस्ता प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि के नवीनीकरण जैसे लंबित मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर भारतीय उच्चायुक्त ने बहुत सहजता से स्थिति को संभाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुलाकात भले ही मुख्य रूप से एक शिष्टाचार भेंट थी, लेकिन भारत और बांग्लादेश के बीच ऐसा कोई भी मसला नहीं है जिसे दोनों देश आपस में बैठकर बातचीत से हल न कर सकें। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि आखिरकार बात दोनों देशों के लोगों की है। जो भी दोनों लोकतंत्रों और उनके नागरिकों के हित में होगा, उसे ही प्राथमिकता दी जाएगी। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि तीस्ता प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने बातचीत का एक नया रास्ता खोल दिया है, जिससे बांग्लादेशी हुकूमत और कूटनीतिक हलकों में नई हलचल शुरू हो गई है।

भारतीय उच्चायुक्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात का अपडेट देते हुए लिखा कि उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि भारत पारस्परिक हितों एवं आपसी लाभ पर आधारित एक सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुख द्विपक्षीय साझेदारी के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों से जुड़े सहयोग को सभी क्षेत्रों में और गहरा करने पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद चिनॉय से भी मुलाकात की, जहां भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं हर चीज को सकारात्मक नजरिए से देख रहा हूं। हमारी बेहद सकारात्मक और सार्थक बैठक हुई।

पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे संसद, राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने डाला चंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में हाथ में दानपेटी लेकर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का प्रतीकात्मक नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई सांसदों ने दानपेटी में चंदा डालकर इस मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने हाथों में बैनर और तख्तियां भी थाम रखी थीं। एक प्रमुख बैनर पर लिखा था, अमित शाह संसद से गायब क्यों? विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। सांसदों ने आरोप लगाया कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। मानसून सत्र के दौरान विभिन्न राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव देखने को मिल रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर शुक्रवार का प्रदर्शन भी इसी राजनीतिक गतिरोध का हिस्सा रहा, जिससे संसद की कार्यवाही भी एक बार फिर बाधित हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में सीजेआई की भूमिका क्यों नहीं?

-सुप्रीम कोर्ट ने किए तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग केवल स्वतंत्र रूप से काम करे, इतना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी स्वतंत्रता जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। इसी संदर्भ में कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जब सीबीआई निदेशक और लोकपाल के चयन पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को शामिल किया जाता है, तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति से उन्हें बाहर रखने का आधार क्या है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केंद्र सरकार की उस मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें मामले को बड़ी संविधान पीठ के पास भेजने का अनुरोध किया गया है। अदालत 2023 के उस कानून की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के तौर पर निर्देश दिया था कि संसद कानून बनने तक नियुक्तियां प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता की समिति की सिफारिश पर हों। बाद में संसद ने नया कानून बनाकर मुख्य न्यायाधीश की जगह एक केंद्रीय मंत्री को चयन समिति में शामिल कर दिया।

केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि संसद के विधायी विवेक पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उनका तर्क था कि किसी अन्य मॉडल की संभावना मात्र से संसद के बनाए कानून को गलत नहीं ठहराया जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों संविधान के स्वतंत्र अंग हैं और एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र का सम्मान किया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णयों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा किया जाना चाहिए और यह मानकर नहीं चला जा सकता कि सरकार निष्पक्षता से काम नहीं करेगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामला प्रधानमंत्री पर अविश्वास का नहीं, बल्कि संस्थागत निष्पक्षता का है। अदालत ने कहा कि जैसे न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए बल्कि होता हुआ भी दिखाई देना चाहिए, उसी प्रकार चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी दिखनी चाहिए।

कांवड़ मेला 2026: हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था चाक चौबंद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। श्रावण मास के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार में कांवड़ मेले ने पूरी रफ्तार पकड़ ली है। हर की पौड़ी सहित विभिन्न गंगा घाटों पर देश के अलग अलग राज्यों से पहुंचे लाखों शिवभक्त पवित्र गंगाजल भरकर अपने अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। पूरे शहर में बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा एवं सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए हैं। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए हरिद्वार पुलिस ने छह फीट से अधिक ऊंची कांवड़ की बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। मेला क्षेत्र में हजारों पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि प्रमुख मार्गों, घाटों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा दल, अग्निशमन इकाइयों और राहत टीमों को भी सक्रिय रखा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात परिवर्तन लागू किया गया है। प्रशासन ने आम नागरिकों और कांवड़ यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले निर्धारित मार्गों और यातायात व्यवस्था की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके। इस बार मेले में आधुनिक तकनीक और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम भी देखने को मिल रहा है। मैकलारेन स्पोर्ट्स कार की थीम पर तैयार की गई आकर्षक कांवड़ श्रद्धालुओं और दर्शकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसे देखने और इसके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

सीजेपी का तंज कहा- कंगना ही नहीं सभी को होना चाहिए स्टूडेंट ऑफ लाइफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में प्रदर्शनकारियों पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कंगना की ओर से सौरव दास की छात्र होने की स्थिति पर सवाल उठाए जाने के बाद अब दास ने पलटवार करते हुए उन्हें सीखने की सलाह दी है। सौरव दास ने कहा कि वह छात्र नहीं बल्कि पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ हैं और हर व्यक्ति को जीवनभर सीखते रहना चाहिए। दास ने कंगना पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी यह समझना चाहिए कि उम्र बढ़ने से समझदारी नहीं आती, बल्कि सीखने की इच्छा से आती है। दास ने कहा, मैं पत्रकार हूं और मैंने कभी छात्र होने का दावा नहीं किया। मैं स्टूडेंट ऑफ लाइफ हूं। हर व्यक्ति को ऐसा होना चाहिए, क्योंकि लगातार सीखने से ही सोच और समझ विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की उम्र अधिक होने के बावजूद अगर वह नई चीजें सीखना बंद कर देता है तो उसकी समझ सीमित रह जाती है। दरअसल, विवाद तब शुरू हुआ जब कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सौरव दास की उम्र और छात्र होने के दावे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर जानकारी के मुताबिक दास 28 वर्ष के हैं और फिर भी खुद को छात्र बताते हैं, जो समझ से परे है। कंगना ने अपने सार्वजनिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा था कि वह कम उम्र से ही काम कर रही हैं और उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों पर गर्व है। कंगना ने दास को बेरोजगार बताते हुए उन्हें कोई कौशल सीखने और कमाई पर ध्यान देने की सलाह भी दी थी। इसके जवाब में दास ने कहा कि कंगना को उनकी ही पार्टी में गंभीरता से नहीं लिया जाता और नई पीढ़ी भी उनकी बातों को महत्व नहीं देती। इससे पहले कंगना ने संसद में सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए प्रदर्शन में शामिल युवतियों पर आपत्तिजनक आरोप लगाए थे। इसके बाद सीजेपी और कंगना के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

कांवड़ पटरी मार्ग पर व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, शिवभक्तों से लिया फीडबैक

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शुक्रवार को कांवड़ पटरी मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रा पर आए शिवभक्तों से संवाद कर पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि यात्रा के दौरान यदि किसी प्रकार की असुविधा का सामना करना पड़े तो तुरंत संबंधित अधिकारियों अथवा हेल्पलाइन के माध्यम से सूचना दें, ताकि समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ पटरी मार्ग पर प्रत्येक व्यवस्था की लगातार निगरानी रखी जाए। पेयजल, साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सकीय सेवाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सुरक्षा और सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ चौबीसों घंटे सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कूड़ा करकट निर्धारित स्थानों पर ही डालें और सफाई कर्मियों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित कांवड़ यात्रा सभी की साझा जिम्मेदारी है तथा श्रद्धालुओं के सहयोग से ही हरिद्वार की पवित्रता और स्वच्छता को बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जो लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, तहसीलदार सचिन कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रेलवे ओवरब्रिजों का निर्माण शीघ्र पूरा हो, सांसद राजकुमार सांगवान ने रेल मंत्री से की मांग

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर दिल्ली मेरठ तथा दिल्ली बड़ौत रेलखंड पर निमार्णाधीन तीन रेल उपरिगामी पुलों (आरओबी) का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग चार वर्षों से इन परियोजनाओं की धीमी प्रगति के कारण लाखों लोगों को प्रतिदिन जाम और आवागमन की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

डॉ. सांगवान ने रेल मंत्री को बताया कि दिल्ली मेरठ रेलखंड पर समपार फाटक संख्या 19 सी (मोहिउद्दीनपुर खरखौदा मार्ग), समपार फाटक संख्या 20 सी (भूडबराल) तथा दिल्ली बड़ौत रेलखंड पर निमार्णाधीन रेल उपरिगामी पुल संख्या 28 सी (टटीरी) का निर्माण लंबे समय से अधूरा पड़ा है। इसके कारण क्षेत्र में लगातार यातायात बाधित रहता है और लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि मोहिउद्दीनपुर खरखौदा मार्ग बागपत, मेरठ और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसी मार्ग से लगभग 80 गांवों के किसान गन्ना तथा अन्य कृषि उपज चीनी मिलों और कृषि मंडियों तक पहुंचाते हैं। निर्माण कार्य में देरी से किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जाम के कारण एंबुलेंस, विद्यालयी वाहन तथा अन्य आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं, जिससे लोगों का समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहे हैं।

सांसद ने रेल मंत्री से तीनों निमार्णाधीन रेल उपरिगामी पुलों की उच्चस्तरीय समीक्षा कर संबंधित एजेंसियों को समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की वर्षों पुरानी यातायात समस्या दूर होगी और किसानों सहित लाखों नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

संसद में वंदे मातरम बिल पास होने के साथ जानें अपमान करने पर होगी कितनी सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को दोनों सदनों ने पारित कर दिया। इस ऐतिहासिक विधेयक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का जानबूझकर अपमान करने को राष्ट्रीय गान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान से जुड़े मौजूदा प्रावधानों के समान ही दंडनीय अपराध बनाना है।

सदन में तीखी बहस और विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच यह विधेयक दोनों सदन से पारित हुआ। इस नए कानून के लागू होने के बाद, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करता है या इस गाने में बाधा डालता है, तब उस गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें तीन साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है। यह कदम राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही वंदे मातरम को भी कानूनी सुरक्षा देगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग कर सदन से वॉकआउट कर दिया। सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास और कांग्रेस के प्रमोद तिवारी सहित कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ़ ऑर्डर उठाने का प्रयास किया, लेकिन उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने सदन में व्यवस्था न होने का हवाला देकर इसकी अनुमति नहीं दी। आप के संजय सिंह ने विधेयक का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि इस उस पार्टी द्वारा पेश किया गया है जिसके मूल संगठन ने कभी अपने मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

लेकिन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के विरोध का जवाब देकर कहा कि यह संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने वंदे मातरम के गहरे ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा इसकी रचना, 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसका गायन और सरला देवी चौधरानी द्वारा 1905 में इसका पूरा संस्करण प्रस्तुत करना शामिल है। राय ने 1937 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा गीत को केवल दो छंदों तक सीमित करने के फैसले की आलोचना की और 1938 में सुभाष चंद्र बोस के इसके पूर्ण संगीत संयोजन को तैयार कराने के प्रयासों का भी जिक्र किया। राय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पहल पर 1947 में स्वतंत्रता दिवस पर ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित पूरे गीत और 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें वंदे मातरम और राष्ट्रगान को समान दर्जा दिया गया था। उन्होंने कहा कि बिल का विरोध करना राष्ट्रीय नेताओं के विचारों को नजरअंदाज करने और तुष्टीकरण की राजनीति के समान है। मोदी सरकार में मंत्री ने चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाकुल्लाह खान जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने अपने अंतिम क्षणों में वंदे मातरम का नारा लगाया था। राय ने तर्क दिया कि गीत का विरोध करने से उन लोगों का मनोबल बढ़ता है जो भारत के टुकड़े करने के नारे लगाते हैं। उन्होंने बिल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन से जोड़ते हुए राजनीति से ऊपर उठकर उठाया गया कदम बताया, जो भारतीय लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। तीखी बहस और विपक्ष के वॉकआउट के बाद, विधेयक को दोनों सदनों ने पारित कर दिया।

कांवड़ महोत्सव की तैयारियों का नगर आयुक्त ने लिया जायजा, साईं उपवन में लाखों श्रद्धालुओं के लिए होगी व्यवस्था

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ महोत्सव को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा मार्ग, प्रमुख शिवालयों तथा निगम द्वारा संचालित किए जाने वाले कांवड़ शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कांवड़ रूट पर की जा रही बैरिकेडिंग, प्राचीन मंदिरों और शिवालयों में प्रकाश व्यवस्था तथा शिविर स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद वह मेरठ रोड स्थित कंट्रोल रूम पहुंचे, जहां उन्होंने कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए लगाए जा रहे कैमरों और मॉनिटरिंग सिस्टम की जानकारी ली। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश तथा निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम केवल कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने ही नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित बनाने के लिए भी व्यापक स्तर पर

कार्य कर रहा है। कांवड़ मार्ग पर अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है और सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। सफाई मित्रों की टीमें कांवड़ मार्ग के साथ-साथ शिविरों में भी नियमित सफाई कार्य करेंगी। इसके अतिरिक्त फॉगिंग और स्वच्छता संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर आयुक्त ने साईं उपवन में निगम द्वारा आयोजित किए जाने वाले सात दिवसीय कांवड़ शिविर का भी निरीक्षण किया। यहां निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस शिविर में लगभग एक लाख कांवड़ यात्रियों के ठहरने, स्नान, भोजन और विश्राम की व्यवस्था की जाएगी। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालयों की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस वर्ष नगर निगम का कांवड़ शिविर पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त होगा। श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के लिए स्टील के बर्तनों का उपयोग किया जाएगा और शिविर परिसर में प्लास्टिक तथा थमाकोल के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नगर निगम की ओर से डस्टबिन भी उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि स्वच्छता बनाए रखी जा सकेगी। कांवड़ शिविर आयोजकों, श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों से कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग की अपील की। गाजियाबाद नगर निगम स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित कांवड़ महोत्सव के आयोजन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कंट्रोल रूम से प्रमुख मंदिरों सहित पूरे कांवड़ रूट की निगरानी की जाएगी, जिससे किसी भी स्थिति पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार; आठ बाइक और स्कूटी समेत नौ वाहन बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात पुलिस ने चेकिंग के दौरान अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की आठ बाइक और एक स्कूटी समेत नौ वाहन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा और चाकू भी बरामद करने का दावा किया है। एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि थाना हापुड़ देहात पुलिस रावली पुल के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को रोककर पूछताछ की। पूछताछ में उनकी पहचान गजरौला निवासी जीशान और मोनू उर्फ बब्बन के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की आठ बाइक और एक स्कूटी बरामद की गई। इसके अलावा उनके कब्जे से एक तमंचा और चाकू भी बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे एनसीआर क्षेत्र, दिल्ली और आसपास के जनपदों से बाइक चोरी करते थे तथा चोरी किए गए

वाहनों को कम कीमत पर बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ दिल्ली, अमरोहा, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद और हापुड़ में चोरी, लूट, हत्या, गैंगस्टर एक्ट और गुंडा एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में करीब तीन दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

ट्रैक्टर का कर्ज उतारने के लिए भाई ने भाई को उतारा मौत के घाट , मसूरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मसूरी पुलिस और सर्विलांस टीम ग्रामीण जोन ने बीती 26 जुलाई को हुई हत्या की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए मृतक के सगे भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रैक्टर के स्वामित्व और पारिवारिक विवाद के चलते अभियुक्त ने अपने ही बड़े भाई की हत्या कर दी थी। बीती 26 जुलाई की सुबह पीडब्ल्यूडी कार्यालय, आध्यात्मिक नगर, मसूरी के पास सड़क किनारे झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का खून से लथपथ शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना पर पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि लगभग 42 वर्षीय व्यक्ति के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे तथा उसके सीने पर खून से सना एक भारी सीमेंटेड पत्थर रखा हुआ था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने पर अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, फोटो पम्पलेट और अन्य तकनीकी साधनों का सहारा लिया। लगातार प्रयासों के बाद बीती 30 जुलाई को मृतक की पहचान मुरादाबाद जनपद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र के ग्राम मंडेल निवासी 42 वर्षीय सोनू सिंह के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और हत्या के पीछे मृतक के सगे भाई सुखवीर का नाम सामने आया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त सुखवीर सिंह ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि दोनों भाइयों ने मिलकर फरवरी 2026 में लगभग 5.20 लाख रुपये का ऋण लेकर एक ट्रैक्टर खरीदा था। ट्रैक्टर मृतक सोनू सिंह के नाम पर था। समय बीतने के साथ अभियुक्त के

मन में ट्रैक्टर को अपने नाम कराने की इच्छा पैदा हुई, लेकिन सोनू इसके लिए तैयार नहीं था। इस विवाद को लेकर परिवार और रिश्तेदारों के बीच पंचायत भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। इसी रंजिश के चलते उसने अपने भाई की हत्या की योजना बनाई। बीती 25 जुलाई को वह सोनू को अपने साथ गाजियाबाद लेकर आया। दोनों ने शराब पी और अभियुक्त ने अपने भाई को अधिक शराब पिलाई। देर रात पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास सुनसान स्थान पर उसने सोनू को सड़क किनारे गड्ढे में गिराकर पत्थर से उसके सिर और सीने पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को छिपाने के उद्देश्य से उसके ऊपर भारी पत्थर रखकर वह मौके से फरार हो गया। संवाददाता सम्मेलन में सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी सुनील कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और अज्ञात पुलिस शव की शिनाख्त में लग गई थी। जांच में सामने आया कि भाई ने भाई की हत्या की है। सुखवीर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

बुकलाना विवाद में घायल भीम सिंह की उपचार के दौरान मौत, गांव में तनाव के बीच भारी पुलिस बल तैनात

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर बुकलाना में हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल भीम सिंह की शुक्रवार को मेरठ मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। वह पिछले नौ दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे। उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। बताया गया कि कुछ दिन पूर्व गांव में हुए विवाद के दौरान भीम सिंह, उनके पुत्र सागर सहित परिवार के कई सदस्य घायल हो गए थे। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भीम सिंह की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां नौ दिनों तक चले उपचार के बावजूद चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके। उनकी मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

क्षेत्राधिकारी विनीत भटनागर ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर सात नामजद तथा कई अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा पहले ही दर्ज किया जा चुका है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मामले में हत्या की धारा भी जोड़ी जाएगी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही है और पूरे घटनाक्रम पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सम्मानपूर्ण विदाई के साथ सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक नवीन कुमार, उत्कृष्ट सेवाओं को किया गया सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित सम्मान समारोह में अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक नवीन कुमार को पुलिस विभाग की ओर से भावभीनी एवं सम्मानपूर्ण विदाई दी गई। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने उनके दीर्घ, अनुशासित और उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए स्मृति-चिह्न, अंगवस्त्र तथा श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने उनके कार्यों को याद करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित जनसेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया गया कार्य हमेशा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनता है। उन्होंने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक के योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय और सम्मानपूर्ण

जीवन की कामना की।

सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक नवीन कुमार ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए विभाग, वरिष्ठ अधिकारियों तथा सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा के दौरान मिले अनुभव जीवन की अमूल्य पूंजी हैं। उन्होंने वर्तमान पुलिसकर्मियों से निष्पक्षता, ईमानदारी और पूर्ण निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने नवीन कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीनी विदाई दी तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन का संगठन विस्तार, दो नए पत्रकार बने सदस्य

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन (पंजीकृत) की मासिक बैठक शुक्रवार को संगठन के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रतेंद्र बिश्नोई ने की, जबकि संचालन धर्मेंद्र चौधरी ने किया। बैठक में संगठन की गतिविधियों, विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। बैठक के दौरान संगठन की सदस्यता के लिए प्राप्त दो पत्रकारों के आवेदनों पर विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों की सहमति के बाद पत्रकार शमशाद रशीद और यासिर शमसी को प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन का सदस्य बनाए जाने की घोषणा की गई। संगठन पदाधिकारियों ने दोनों नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके जुड़ने से संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों को नई गति मिलेगी। बैठक में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण समारोह की रूपरेखा भी तय की गई। सभी सदस्यों से कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा संगठन की एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया गया। साथ ही पत्रकारों के अधिकारों, सामाजिक सरोकारों और संगठन की भावी कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में डॉ. रतेंद्र बिश्नोई, धर्मेंद्र चौधरी, मुकेश त्यागी, मनोज वाल्मीकि, अभय बिश्नोई, राशिद उस्मानी, विकास अग्रवाल, अफसार सिद्दीकी, हर्षवर्धन सिंह, नंदकिशोर, रचित कुमार, अनिल कुमार, शमशाद रशीद, यासिर शमसी, मनोज टंडन और अक्षय चौहान सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश, जिलाधिकारी ने गंगा घाट का दोबारा किया निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। सावन माह की कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयुक्त के जनपद भ्रमण और निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी कविता मीना ने प्रमुख गंगा घाट का पुनः स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियों को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ सफाई, गोताखोरों की तैनाती तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक व्यवस्था की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आयुक्त के निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गंगा स्नान और जल भरने के लिए पहुंचने की संभावना है। ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा प्रत्येक व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी और कर्मचारी 24 घंटे सातों दिन क्षेत्र में सक्रिय रहकर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। प्रशासन का प्रयास है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

प्रेम संबंध का विरोध करने पर विवाहिता को प्रेमी ने उतारा मौत के घाट, लोनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी पुलिस ने महिला की हत्या के मामले का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त प्रेमी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त ने महिला की गला घोंटकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था। बीती 26 जुलाई 2026 को लोनी थाने में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी रिजवान की हत्या कर दी गई है। शिकायत में फैजान उर्फ बहार नामक युवक पर हत्या का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। साथ ही अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के बाद पुलिस ने लोनी थाना क्षेत्र से अभियुक्त फैजान को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह पहले अपने परिवार के साथ उसी मकान में किराए पर रहता था, जहां वादी का परिवार भी रहता था। इसी दौरान उसकी जान-पहचान और बातचीत वादी की पत्नी से होने लगी। यह संपर्क पिछले सात से आठ महीनों से बना हुआ था। बाद में इस संबंध की जानकारी महिला के पति और बच्चों को हो गई थी। इसके बाद उसने वह मकान छोड़ दिया और अशोक विहार में रहने लगा। कुछ समय बाद महिला ने उससे बातचीत बंद कर दी। इसी

बात को लेकर वह नाराज और गुस्से में रहने लगा। बीती 26 जुलाई को वह महिला के घर पहुंचा और प्लास्टिक की सूतली का फंदा बनाकर उसका गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। संवाददाता सम्मेलन में सहायक पुलिस आयुक्त लोनी ने बताया कि अभियुक्त का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। फिलहाल इस मामले में एक मुकदमा दर्ज है और अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने दोपहिया वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, दो अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस, स्वाट टीम ट्रांस हिंडन जोन और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने गिरोह के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद कीं। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि थाना साहिबाबाद पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान नागद्वार चौराहे से सिटी फॉरेस्ट की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर दोनों ने घबराकर रास्ता बदलने और भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान जब उनसे मोटरसाइकिल के दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि जिस मोटरसाइकिल पर वह सवार थे, उसे उन्होंने कुछ दिन पहले गौतमबुद्ध नगर के थाना बिसरख क्षेत्र स्थित गौर सिटी से चोरी किया था। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने दबिश देकर चार अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कीं बरामदगी के आधार पर थाना साहिबाबाद में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सूरज और सचिन सिंह के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में गौतमबुद्ध नगर के बिसरख क्षेत्र में रह रहे थे। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर खड़े दोपहिया वाहनों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद वाहनों को कुछ समय तक छिपाकर रखा जाता था और बाद में कबाड़ियों अथवा जरूरतमंद लोगों को कम कीमत पर बेच दिया जाता था। बिक्री से प्राप्त रकम को दोनों आपस में बांट लेते थे।

छोटे भाई ने बड़े भाई पर तमंचे से की फायरिंग, बाल-बाल बची जान, आरोपी गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के तलहैटा गांव में जमीन के विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। चकरोड के रास्ते को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर अवैध तमंचे से गोली चला दी। हालांकि सतर्कता दिखाते हुए बड़ा भाई समय रहते नीचे झुक गया, जिससे गोली उसे नहीं लगी और उसकी जान बच गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार तलहैटा गांव निवासी मुकेश कुमार त्यागी दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधीन खुफिया ब्यूरो (आईबी) में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनका अपने छोटे भाई दिनेश के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बताया गया कि मुकेश अपने बाग में बैठे हुए थे, तभी दिनेश वहां पहुंचा और चकरोड के लिए रास्ता देने की मांग करने लगा। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में उग्र विवाद में बदल गई। आरोप है कि गुस्से में आकर दिनेश ने अपने पास मौजूद अवैध तमंचे से मुकेश पर फायर कर दिया। मुकेश ने तत्काल नीचे झुककर अपनी जान बचाई, जिससे गोली उन्हें नहीं लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची भोजपुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए घायल पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दिनेश को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा भी बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी तथ्यों की जांच की जा रही है और आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस घटना से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी की एडिट फोटो फर्जी फेसबुक आईडी से वायरल करने का आरोप, पति-देवर पर एफआईआर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र निवासी विवाहिता ने पति और देवर पर दहेज उत्पीड़न के साथ सोशल मीडिया पर उसकी छवि खराब करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 25 नवंबर 2016 को मेरठ के पल्लवपुरम निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किए जाने का आरोप है। पीड़िता के अनुसार वर्ष 2019 में उसे ससुराल से निकाल दिया गया। माता-पिता के न होने के कारण वह तब से अपने भाई के साथ रह रही है। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति और देवर ने दो फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाए और उसकी पुरानी तस्वीरों के अलावा व्हाट्सएप से ली गई तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस अधिकारियों से की। एसपी के आदेश पर थाना हाफिजपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े नाबालिग छात्र पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला, 6 नामजद समेत 18 आरोपियों पर एफआईआर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के व्यस्त फ्रीगंज रोड पर दिनदहाड़े 16 वर्षीय छात्र पर कई युवकों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने छह नामजद समेत करीब 18 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। हापुड़ के गांव असौड़ा निवासी संजय कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा वासुदेव किसी रिश्तेदार से मिलने हापुड़ आ रहा था। आरोप है कि जैसे ही वह फ्रीगंज रोड पर पहुंचा, वहां पहले से घात लगाए भानू त्यागी, लवी, शिवम, कार्तिक और वासु समेत अन्य युवक उसके पास पहुंचे और उसे घेर लिया। पीड़ित के पिता का आरोप है कि आरोपियों ने बिना किसी बात के वासुदेव पर पेचकस, सुआ और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सीने, सिर, गर्दन और कलाई पर ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर रूप से घायल होकर किशोर सड़क पर गिर पड़ा। आरोप है कि हमलावर उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर राहगीरों और परिजनों ने घायल किशोर को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार उसके शरीर पर कई गहरे घाव हैं और उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी मनीष चौहान ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और नामजद समेत अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

हत्या के मामले में चार को आजीवन कारावास

गोरखपुर , एजेंसी। हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश नितिन कुमार ठाकुर ने झंगहा थाना क्षेत्र के डीहघाट निवासी अभियुक्त प्रेम राय, राजकुमार राय, नवीन राय उर्फ मोनू राय व ओंकार गौड़ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रेम, राजकुमार और नवीन को पांच हजार रुपये व ओंकार को छह हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धर्मेंद्र कुमार मिश्र का कहना था कि वादी चंद्रजीत झंगहा थाना क्षेत्र के डीहघाट का निवासी है। 24 नवंबर 2012 को अभियुक्तों से जमीन की पैमाइश को लेकर उसका झगड़ा हुआ था, जिसका एनसीआर थाने में दर्ज है। उसी बात को लेकर एक दिसंबर 2012 को सुबह चार बजे अभियुक्तों ने वादी के पिता जगदीश गौड़ को सोते समय गोली मार दी जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर मजदूर की मौत

गाजियाबाद , एजेंसी। राजीव गार्डन कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान की छत से काम करने के दौरान मजदूर की गिरकर घायल हो गया। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को मामले की जानकारी दी। मूलरूप से फुलहैरा बुलंदशहर के ईश्वर सिंह मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी विमलेश और तीन बच्चे संजना, विनय, विनीत हैं। मंगलवार सुबह वह संगम विहार चौकी के पास गली स्थित रवीश के निर्माणाधीन मकान के प्रथम तल पर काम कर रहे थे। बल्ली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से वह 15 फुट नीचे गली में गिर कर घायल हो गए और अस्पताल में मौत हो गई। घटना के परिवार के लोगों का रो- रोकर बुरा हाल है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और शिकायत मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी

रोडवेज बस और ट्रक की भिड़ंत, चालक और परिचालक गंभीर घायल

कानपुर , एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में दिल्ली से आ रही साहिबाबाद डिपो की एसी बस गुरुवार सुबह छह बजे मऊदरवाजा थाने के जसमई के पास पहुंची। उसी समय क़ायमगंज की ओर जा रहे ट्रक से टक्कर हो गई। इसमें नेकपुर चौरासी निवासी चालक विनय चौहान ओर परिचालक आकाश गुप्ता घायल हो गए। घायलों को लोहिया अस्पताल में जाया गया। हालत गंभीर होने पर चालक को रेफर किया गया है। बस में बैठीं दो-तीन सवारियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। पुलिस ने बस और ट्रक कब्जे में ले लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रसव के दौरान बिगड़ी हालत, रेफर के बाद रास्ते में गर्भवती की मौत

कानपुर। कन्नौज जिले के तालग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के दौरान गर्भवती महिला की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने शव को सीएचसी लाकर अस्पताल परिसर में हंगामा किया और एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक और सीएचसी अधीक्षक ने समझा बुझाकर मामला शांत किया। क्षेत्र के मुंडाला गांव निवासी डोली यादव (27) को प्रसव पीड़ा होने पर बुधवार रात करीब दस बजे परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे थे। प्रसव के दौरान उसकी हालत गंभीर होने पर एएनएम ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि एएनएम की लापरवाही और समय पर रेफर न करने पर महिला की हालत बिगड़ी तथा रास्ते में उसकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह परिजन शव को सीएचसी लेकर पहुंचे और अस्पताल परिसर में रखकर जमकर हंगामा किया। सूचना पर पुलिस, सीएचसी अधीक्षक मौके पर पहुंचे और परिजन शांत कराया।

लोनी के मकानों-दुकानों पर बेचा जा रहा था चीनी मांझा, तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद , एजेंसी। प्रतिबंधित चीनी मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ पीएफए और लोनी थाना पुलिस ने लोनी के इंदिरा मार्केट कॉलोनी में छापा मारा है। टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में चीनी मांझा जब्त किया है। पुलिस इनमें कॉलोनी निवासी मन्नू व अंकित समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पीएफए के सदस्य गौरव गुप्ता निवासी गौर कॉस्केड सोसायटी राजनगर एक्सटेंशन ने बुधवार को चीनी बेचने की पुलिस को सूचना दी। इसमें बताया कि लोनी के इंदिरा मार्केट कॉलोनी की दुकान और घरों गोपनीय तरीके से चीनी मांझा बेचा जा रहा है। सूचना पर लोनी थाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और पीएफए के सदस्यों को ग्राहक बनाकर दुकान-मकान में भेजा। जब उनको चीनी मांझा देने लगे तो पुलिस ने मकान- दुकानों पर छापा मारा। इस दौरान दुकानों और मकानों के अंदर चीनी मांझे का भंडारण मिला। चीनी मांझा के 579 रोल बरामद हुए। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि टीम ने तीन लोगों को किया और कहां-कहां पर प्रतिबंधित मांझा बेचा जा रहा है, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

14 साल बाद प्रबल हत्याकांड में आया ऐतिहासिक फैसला, सात दोषियों को उम्रकैद, पुलिस अधिकारियों की भूमिका की भी होगी जांच

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के बहुचर्चित प्रबल हत्याकांड में 14 वर्ष बाद न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सातों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक न्यायालय (द्वितीय) के न्यायाधीश शहजाद अली ने प्रत्येक दोषी पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। साथ ही न्यायालय ने मामले की विवेचना में गंभीर लापरवाही बरतने वाले विवेचक और तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के आचरण की जांच कराने के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजने के आदेश दिए हैं।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अजीत पवार और प्रमोद कुमार शर्मा के अनुसार न्यायालय ने 29 जुलाई को सभी आरोपियों को दोषी ठहराया था, जबकि शुक्रवार को सजा सुनाई गई। न्यायालय ने हत्या के अपराध में आजीवन कारावास और एक एक लाख रुपये का जुमार्ना, अपहरण के मामले में सात वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये तथा साक्ष्य मिटाने के अपराध में तीन वर्ष के कारावास एवं पांच हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जुमार्ने की कुल राशि का 90 प्रतिशत हिस्सा पीड़ित परिवार को क्षतिपूर्ति के रूप में दिया जाए।

दोषियों में संजय गुप्ता, विनय अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, राहुल गुप्ता और आशीष उर्फ आशु शामिल हैं। फैसला सुनाए जाने के दौरान अदालत कक्ष खचाखच भरा रहा। निर्णय के बाद दोषियों के परिजनों में चीख पुकार मच गई, जबकि मृतक प्रबल की बहन प्राची ने न्यायालय के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका पर उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। सरकारी पक्ष के अनुसार वर्ष 2012 में बिजनौर के शहनाई बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रबल की हत्या कर शव को गंगा नदी में फेंक दिया गया था, ताकि साक्ष्य मिटाए जा सकें। इस चर्चित मुकदमे में 17 गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अंततः पीड़ित परिवार को न्याय मिला।

अलीगढ़ जंक्शन का बदलेगा स्वरूप, 400 करोड़ से होगा पुनर्विकास

अलीगढ़ , एजेंसी। रेलवे 159 साल पुराने अलीगढ़ जंक्शन का 400 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास करेगा। यह परियोजना अमृत भारत स्टेशन योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्टेशन को आधुनिक और सुंदर बनाना है। इसके तहत यात्रियों को हवाई अड्डे जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए बुधवार को प्रयागराज मंडल के महाप्रबंधक नरेश पाल और रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल अलीगढ़ पहुंचे। उन्होंने स्थानीय रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक की।

इसके बाद वे जिलाधिकारी अविनाश कुमार और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा से भी मिले। इन मुलाकातों में रेलवे स्टेशन के समग्र विकास और विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अधिकारियों को कुछ उपयोगी सुझाव भी मिले हैं। इन सुझावों का उपयोग स्टेशन की आगामी कार्ययोजनाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। स्टेशन का कुल भवन करीब तीन एकड़ क्षेत्र में फैला है। दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर स्थित यह स्टेशन एनएसजी - 3 की

श्रेणी में आता है।

पुनर्विकास के तहत वर्तमान में मौजूद आवासीय कॉलोनी, कार्यालय, आरक्षण कक्ष, अस्पताल और मनोरंजन कक्ष तोड़े जाएंगे। इनके स्थान पर एक नया मल्टी-कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना है। इस कॉम्प्लेक्स में सिनेमाघर, शॉपिंग मॉल, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त, कैफेटेरिया, पार्किंग स्थल और विश्रामालय भी बनाए जाएंगे।

प्लेटफार्म नंबर एक से लगा पुराना भवन 7900 वर्ग मीटर क्षेत्र में है। अलीगढ़ जंक्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेशन बनाने के लिए नए सिरे से डिजाइन तैयार की जा रही है। कठपुला साइड से सेंटर प्वाइंट तिराहे तक रेलवे क्षेत्र में बनी सड़क को स्टेट बैंक तिराहे से दूसरी ओर बनाने का प्रस्ताव भी है। नई डिजाइन को स्वीकृति मिलने के बाद इस पर काम शुरू होने की संभावना है।

भीषण गर्मी के बीच दुबग्गा, काकोरी में बिजली कटौती से लोग बेहाल

लखनऊ, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच दुबग्गा, एफसीआई और काकोरी क्षेत्र में बिजली की लगातार आवाजाही ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मंगलवार रात से लेकर बुधवार रात तक बार-बार बिजली गुल होने से उपभोक्ता परेशान रहे।

स्थानीय निवासी रमेश पाल, अनुज कुमार, मोहम्मद नफीस, सीमा रावत सहित सैकड़ों लोगों को कहना है कि बिजली गुल होते ही घरों में पंखे और कूलर बंद हो जाते हैं। देर रात तक बिजली की आवाजाही के कारण लोग ठीक से सो भी नहीं पा रहे हैं। क्षेत्रीय उपभोक्ता रंजीत कनौजिया, विजय शर्मा, सुरेंद्र सिंह और मोहित राजपूत ने भी समस्या बताई है। उनके मुताबिक, कई इलाकों में ट्रिपिंग और फॉल्ट की समस्या बनी हुई है। बार-बार बिजली आने-जाने से घरेलू उपकरणों को भी नुकसान का खतरा है। निगम के अधिकारियों से शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। लोगों को ये भी आरोप है कि जम्मेदार अधिकारी फोन भी नहीं उठाते हैं।

दुबग्गा खंड के एसडीओ ने बताया ओवरलोड के चलते एबीसी केबल पर अधिक दबाव पड़ रहा है, जिससे केबल जलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके अलावा बारिश और तेज हवाओं के

दौरान पेड़ों की डालियां बिजली के तारों पर गिरने से भी फाल्ट हो रहे हैं। शिकायत मिलते ही बिजली निगम की टीम को मौके पर भेजकर फाल्ट दुरुस्त कराया जा रहा है और बाधित बिजली आपूर्ति को जल्द से

यह समस्या काकोरी मोड़, सलेमपुर पतौरा, सरोसा भरोसा, चिलौली और मुबारकपुर जैसे इलाकों में है। नगर पंचायत काकोरी, बुद्धेश्वर, सीते विहार कॉलोनी, भपटा मऊ, पिंक सिटी और नौराना भी प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। उन्होंने बार-बार होने वाले फॉल्ट और ट्रिपिंग की वजह तलाशकर स्थायी समाधान करने के लिए कहा है।

हत्या के छह साल पुराने केस में एक को उम्रकैद, पांच को संदेह का लाभ; मृतक के बेटे ने दर्ज कराई थी एफआईआर

वाराणसी, एजेंसी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संध्या श्रीवास्तव की अदालत ने फूलपुर थाना क्षेत्र के बरवां गांव में छह साल पहले जमीन के विवाद को लेकर हुई हत्या के मामले में शिव कुमार मिश्रा को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। वहीं, मामले में नामजद पांच अन्य अभियुक्तों महेंद्र मिश्रा, दीपक मिश्रा, धीरज मिश्रा, दशरथ मिश्रा और साक्षी मिश्रा को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

अभियोजन के अनुसार, वादी सचिन कुमार मिश्रा ने 19 मई 2020 को फूलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि शाम छह बजे उनके पट्टीदार महेंद्र मिश्रा, शिव कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, धीरज मिश्रा, दशरथ मिश्रा और साक्षी मिश्रा लाठी, सब्बल और रॉड लेकर उनके मशीन परिसर पर पहुंचे।

वहां उन्होंने सचिन के पिता अनिल कुमार मिश्रा, भाई पवन कुमार मिश्रा और मां सुनीता मिश्रा पर हमला कर दिया। हमले में अनिल कुमार मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो

गए। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। वहीं, पवन कुमार मिश्रा और सुनीता मिश्रा को भी चोटें आई थीं। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने लिखित तहरीर, पंचायतनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चोट आख्या समेत अन्य दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। वादी सचिन कुमार मिश्रा और पवन कुमार मिश्रा समेत सात अभियोजन गवाहों के बयान अदालत में दर्ज किए गए। सचिन मिश्रा ने घटना का विस्तृत विवरण देते हुए अपने पिता की मौत की पुष्टि की। वहीं, पवन मिश्रा ने अपने बयान में बताया कि शिव कुमार मिश्रा के हाथ में नुकीला सब्बल था, जिससे उनके पिता को चोट लगी थी।

बचाव पक्ष की ओर से मुकदमे को रंजिशन दर्ज कराने और मृतक को दुर्घटनावश चोट लगने की दलील भी दी गई। साथ ही शिव कुमार मिश्रा की मानसिक अस्वस्थता का भी उल्लेख किया गया। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और मामले की परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद शिव कुमार मिश्रा को हत्या के मामले में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

विदेशी साइबर अपराधियों को टेलीग्राम से बेचते थे बैंक खाते, 53 लाख के लेनदेन का खुलासा, जांच तेज

वाराणसी, एजेंसी। साइबर ठगी से जुड़े गिरोह की जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पहले से गिरफ्तार पांच आरोपियों के अलावा मऊ के घोसी थाना क्षेत्र के भीखमपुर निवासी प्रशांत सिंह और कमलेश कुमार विश्वकर्मा के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि 12 से 15 जनवरी के बीच महज चार दिनों में कमलेश और सुजल सिंह के कोटक महिंद्रा बैंक खातों में करीब 53 लाख रुपये का लेनदेन हुआ था।

पुलिस के अनुसार कमलेश, प्रशांत और सुजल सिंह आपस में करीबी मित्र थे। करीब छह माह पहले रुपयों के लेनदेन को लेकर तीनों के बीच विवाद हो गया था। जांच के दौरान पता चला कि इस गिरोह में मिर्जापुर निवासी आदर्श चौबे, आजमगढ़ निवासी आशीष यादव और वाराणसी के नरिया निवासी युवराज भी शामिल थे। पुलिस ने आदर्श चौबे की आई-20 कार और आशीष यादव की थार गाड़ी भी बरामद की है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शुरुआत में बैंक खाते उपलब्ध कराने पर उन्हें आठ प्रतिशत कमीशन मिलता था, जिसे बाद में बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। इसी लालच में गिरोह लगातार

नए लोगों को अपने जाल में फंसाता रहा।

आरोपियों आशीष यादव, आदर्श, सुजल, युवराज और पीयूष ने पुलिस को बताया कि वे भोले-भाले लोगों को पैसों का लालच देकर विभिन्न बैंकों में उनके खाते खुलवाते थे। खाते खुलवाने के दौरान मोबाइल नंबर की जगह अपने कब्जे वाले फर्जी नंबर लिंक कराते थे। इसके बाद खाताधारकों से डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग की आईडी, पासवर्ड और सिम कार्ड लेकर उन्हें केवल पांच हजार रुपये दे देते थे।

पुलिस के मुताबिक, इसके बाद इन बैंक खातों की पूरी जानकारी विदेशी साइबर अपराधियों को टेलीग्राम के माध्यम से भेजी जाती थी। विदेशी साथी आरोपियों को एक एपीके फाइल उपलब्ध कराते थे, जिसमें एसएमएस फॉरवर्डर एप्लिकेशन पहले से मौजूद रहता था। इस एप्लिकेशन को मोबाइल में इंस्टॉल कर बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को लॉगिन किया जाता था। इसके बाद ओटीपी और अन्य बैंकिंग संदेश सीधे विदेशी साइबर अपराधियों तक पहुंचने लगते थे, जिससे वे खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के लिए करते थे। पुलिस पूरे नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

कम नहीं हुईं रैदास विहार नई बस्ती में मुश्किलें, पांच और घरों की दीवारें चटकीं

कानपुर, एजेंसी। जाजमऊ की रैदास विहार नई बस्ती में मंगलवार रात हुए हादसे से पीड़ितों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। यहां जलभराव से 10 घर ढहे थे। बुधवार को पानी तो जैसे-तैसे निकल गया लेकिन पानी से नम हो चुकीं कच्ची दीवारें बुधवार को हल्की सी धूप पाकर चटकने लगीं। पांच घरों की दीवारें चटकी देख दहशत में आए लोगों ने घरों का सामान बाहर निकाल लिया। नगर निगम की टीम ने सफाई कर गिरे घरों का मलबा हटाया तो प्रभावित परिवार अपनी गृहस्थी का सामान खोजते नजर आए।

बस्ती निवासी सूरज, मुन्नालाल, फातिमा, लाला और रहमान के मकानों की दीवारें चटकी हैं। बस्ती निवासी अरमान और राकिब की बाइक भी मलबे में दब गई। अपनी गृहस्थी का सामान ढूंढने के दौरान कई घरों में मिट्टी के अंदर से अजगर व सांप निकले। बुधवार को धूप निकली तो लोग बचा हुआ राशन सुखाते रहे। कीचड़ में फंसकर लोग फिसलकर गिरते भी रहे। हादसे के बाद बस्ती से लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है। कई परिवार अपने रिश्तेदारों के घर जा रहे हैं।

बस्ती के निवासियों ने समाजसेवी की ओर से लगवाए गए टेंट व तिरपाल के नीचे रात और दिन गुजारा लेकिन बुधवार दोपहर बाद टेंट हटा दिए गए। समाजसेवी यासीन सिद्दीकी ने बस्ती पहुंचकर खाना बांटा। क्षेत्रीय पार्षद नूरेन अहमद टारजन घटना के दूसरे दिन भी मौके पर नहीं पहुंचे जिससे लोगों में आक्रोश रहा।

सनातन संस्कृति व परंपरा को तबाह करने वाली ताकतों से सतर्क रहें : सीएम योगी

गोरखपुर , एजेंसी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों को देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न करने वालों से सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को देश के खिलाफ होने वाली साजिशों को समझना होगा। कुछ ताकतें भारत की प्रगति यात्रा, सनातन संस्कृति एवं परंपरा को तबाह करना चाहती हैं। इसी समाज के कुछ लोग ही दुनिया की उन ताकतों के प्रवक्ता बने हुए हैं।

सीएम योगी बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 23 जुलाई से चल रही श्रीराम कथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने ही समाज में कालनेमि का रूप धारण कर बैठे देश विरोधी षड्यंत्रकारियों से हम अनभिज्ञ बने रहेंगे तो अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी स्थिति होगी। कहा कि विगत 12 वर्षों से तीव्र प्रगति कर रहा भारत अगले दो तीन सालों में दुनिया के तीन शीर्ष देशों में सम्मिलित हो जाएगा। अपनी प्रगति यात्रा में भारत ने जिन्हें पछाड़ा, उन्हें अच्छा न लगना स्वाभाविक है। कई ताकतों को भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती। ऐसी ताकतों ने देश में अस्थिरता, अशांति और अव्यवस्था फैलाने की योजना बनानी प्रारंभ कर दी है। मुख्यमंत्री ने स्मार्टफोन के अत्यधिक प्रयोग को बच्चों के लिए नुकसानदेह बताते हुए सभी अभिभावकों को आगाह किया। आवश्यकता से अधिक स्मार्टफोन के प्रयोग से बचने के लिए, शुरुआत खुद अभिभावकों से करने की अपील की। कहा कि धीरे-धीरे समय कम करते हुए मौन व्रत की तरह सप्ताह में एक पूरे दिन स्मार्टफोन का प्रयोग न करने का प्रयास होना चाहिए।

यूपीएसआरएलएम की प्रदेश रैंकिंग में काशी पहले स्थान पर

दूसरे स्थान पर अंबेडकर नगर, अयोध्या की बड़ी छलांग

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) की जून 2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में वाराणसी ने लगातार अपना दबदबा कायम रखते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वाराणसी को 1,699 अंक मिले हैं। अंबेडकर नगर 1,642 अंकों के साथ दूसरे और बिजनौर 1,599 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। पिछली रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहे अयोध्या ने 1,587 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया है।

उपायुक्त (स्वत॰ रोजगार) पवन सिंह ने बताया कि वाराणसी ने मई और जून, दोनों महीनों में पहला स्थान बनाए रखा। यानी जिले ने न केवल शीर्ष स्थान हासिल किया, बल्कि उसे लगातार बरकरार भी रखा। दूसरे स्थान पर अंबेडकर नगर और तीसरे स्थान पर बिजनौर भी अपनी-अपनी पूर्व रैंकिंग पर कायम रहे।

सबसे अधिक सुधार अयोध्या ने किया। मई में 12वें स्थान पर रहने वाला जिला जून में सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गया और आठ स्थानों की छलांग लगाई। वहीं, फर्रुखाबाद ने 17वें से 10वें स्थान पर

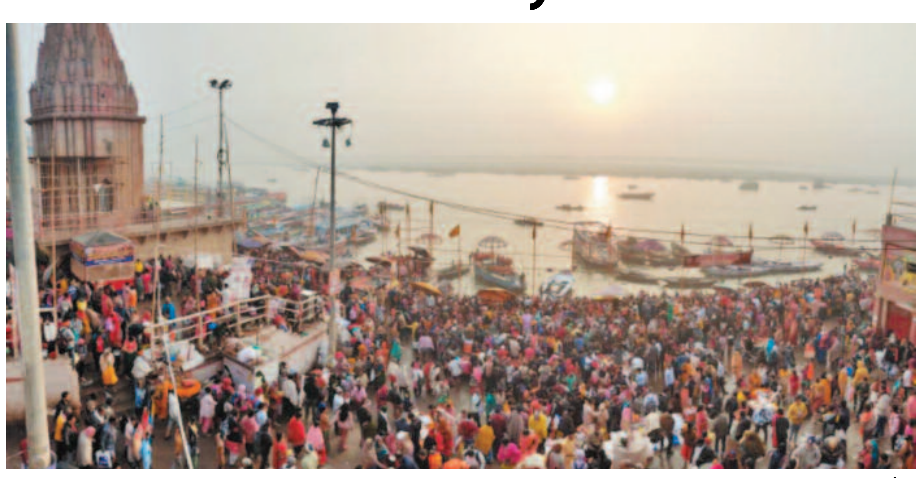

पहुंचकर सात स्थानों का सुधार किया। आगरा ने 11वें से पांचवें स्थान पर पहुंचते हुए छह स्थानों की बढ़त दर्ज की।

दूसरी ओर, कुछ जिलों की रैंकिंग में गिरावट भी दर्ज की गई। इटावा पांचवें से नौवें स्थान पर खिसक गया, जिससे उसे चार स्थानों का नुकसान हुआ। हापुड़ भी चौथे से छठे स्थान पर पहुंच गया और दो स्थान नीचे चला गया। सहारनपुर ने 10वें से आठवें स्थान पर पहुंचकर दो स्थानों का सुधार किया, जबकि अलीगढ़ सातवें स्थान पर यथावत बना रहा।

इन कारणों से बरकरार है रैंकिंग

प्रदेश स्तर पर जारी रैंकिंग में पहले स्थान पर बने रहना जिले की बड़ी उपलब्धि है। इसके पीछे स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय बनाए रखना, समूहों के माध्यम से राशन की दुकानों का संचालन और राशन का सुव्यवस्थित वितरण, गांवों में बने सामुदायिक शौचालयों का नियमित रखरखाव और साफ-सफाई, बिजली बिल जमा कराने तथा बिलिंग प्रक्रिया में स्वयं सहायता समूहों की प्रभावी भागीदारी और आंगनबाड़ी व अन्य योजनाओं के लिए पुष्टाहार तैयार कराने जैसे कार्य प्रमुख रहे।

▶▶ इस रैंकिंग में शीर्ष स्थान बनाए रखना जिले की पूरी मिशन टीम के प्रयासों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य केवल रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहना नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना, आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना और स्वयं सहायता समूहों को अधिक सशक्त बनाना है। आगामी महीनों में भी इस प्रदर्शन को बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा।

– प्रखर सिंह, सीडीओ

व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला, राजनीति में भी निभाएं सक्रिय भूमिकाः सतीश महाना

नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा सेक्टर-51 स्थित वेडिंग विला में आयोजित पांचवें व्यापारी कल्याण दिवस में प्रदेश के 32 जिलों से आए व्यापारियों, उद्योगपतियों, उद्यमियों, महिला कारोबारियों तथा विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में व्यापारियों की अर्थव्यवस्था में भूमिका, स्टार्टअप संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, उद्यमिता तथा राजनीति में व्यापारियों की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि व्यापारी केवल व्यापार करने वाला वर्ग नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल केवल व्यापारियों का संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। व्यापारी रोजगार सृजित करते हैं, समाज को समृद्ध बनाते हैं और देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के पीछे व्यापारी समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब व्यापारी और उद्यमी वर्ग निरंतर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी केवल कारोबार नहीं करते, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देकर देश की आर्थिक नींव को मजबूत करते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन व्यापारियों की समस्याओं और हितों को प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य कर रहा है।

भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कहा कि आने वाला समय व्यापारियों और युवा उद्यमियों का है। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज को केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोकतंत्र और राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। जब व्यापारी नीति निर्माण का हिस्सा बनेगा, तभी देश की अर्थव्यवस्था और अधिक सशक्त होगी। नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार व्यापारी समाज के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान, व्यापार को सरल बनाना तथा नए उद्यमों को प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए दौर में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रही हैं। साथ ही उन्होंने युवा व्यापारियों से व्यापार के साथ-साथ लोकतंत्र और राजनीति में भी सक्रिय एवं निर्णायक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. पल्लवी शर्मा को "महिला सशक्तिकरण अवॉर्ड-2026" से सम्मानित किया गया। वहीं उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता को व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए "भामाशाह सम्मान-2026" प्रदान किया गया। इस अवसर पर सोहरतगढ़ विधानसभा के विधायक विनय वर्मा, पूर्व विधायक विमला बाथम, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी कपिल सब्बरवाल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, प्रदेश उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, प्रदेश सचिव मनीष शर्मा, शिवा चौहान, राजेश जिंदल, उद्योग प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अमित गोयल, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष नेहा जैन, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष चारू जैन, श्वेता शर्मा, आरती कोचर, कविता लोढ़ा, दीपिका चौरड़िया, विवेक अग्रवाल, जैमंत झा, मोहनलाल गुप्ता, मूलचंद गुप्ता, रामनिवास गर्ग, राजकुमार गुप्ता, पंकज अग्रवाल एवं मोतीराम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

मांगों पर अड़े किसानों ने रुकवाया यमुना एक्सप्रेसवे सर्विस रोड का निर्माण, सोमवार को होगी वार्ता

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के निर्माण कार्य को शुक्रवार को दयानतपुर गांव के पास किसानों ने रोक दिया। किसानों ने अपनी लंबित मांगों के समाधान तक निर्माण कार्य नहीं होने देने का ऐलान करते हुए मौके पर धरना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन और यमुना प्राधिकरण के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अडिग रहे। बाद में अधिकारियों ने सोमवार को यमुना प्राधिकरण कार्यालय में वार्ता कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आगे की बातचीत पर सहमति बनी।

किसानों का कहना है कि यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना से प्रभावित परिवारों की समस्याओं का अब तक समुचित समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने सात प्रतिशत आवासीय भूखंड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, आबादी क्षेत्र का निस्तारण तथा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना से प्रभावित किसान परिवारों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग दोहराई। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक इन मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सोमवार को प्राधिकरण कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत वार्ता होगी। इसके बाद किसानों ने आंदोलन जारी रखते हुए वार्ता के परिणाम का इंतजार करने की बात कही। धरना-प्रदर्शन में राकेश कुमार, रामौतार गोयल, राजू सिंह, ओमवीर सिंह, पंकज कुमार, गौरव सिंह, राजाराम जाटव, बल्ली चौधरी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान से विद्यार्थियों को दिया कचरा पृथक्करण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कैम्पेन अगेंस्ट प्लास्टिक पॉल्यूशन (सीएपीपी), फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट तथा ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को मिहिर भोज पार्क में स्वच्छता अभियान एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पार्क परिसर की सफाई की और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों और अधिकारियों ने प्लास्टिक सहित अन्य बिखरे कचरे को एकत्र कर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इसके बाद आयोजित जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत गीले, सूखे, सैनिटरी तथा विशेष देखभाल वाले कचरे के पृथक्करण की वैज्ञानिक प्रक्रिया से अवगत कराया गया। साथ ही घर, विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर स्रोत स्तर पर कचरा अलग करने, एकल उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग कम करने, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने तथा जैविक कचरे से खाद तैयार करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण के निर्माण में युवाओं और विद्यार्थियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है तथा यदि प्रत्येक नागरिक कचरा पृथक्करण और स्वच्छता के नियमों का पालन करे तो प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि तीनों संस्थाएं मिलकर ग्रेटर नोएडा में वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी और जनजागरूकता के माध्यम से स्वच्छ एवं टिकाऊ शहर के निर्माण के लिए लगातार अभियान संचालित कर रही हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रबंधक उद्योग और उप निदेशक उद्यान सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में प्रबंधक उद्योग के पद पर कार्यरत अरविंद मोहन सिंह तथा उप निदेशक उद्यान नथोली सिंह शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। दोनों अधिकारियों की दीर्घकालीन सेवाओं और योगदान के सम्मान में प्राधिकरण परिसर में विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव, प्रेरणा सिंह और सुमित यादव ने दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि अरविंद मोहन सिंह और नथोली सिंह ने अपने अपने विभागों में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए प्राधिकरण की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अनुभव और कार्यशैली से संगठन को हमेशा लाभ मिला।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक, महाप्रबंधक वित्त स्वतंत्र कुमार गुप्ता, ग्रेटर नोएडा एम्प्लॉइज एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू भड़ाना, विशेष कार्याधिकारी अर्चना द्विवेदी सहित प्राधिकरण के अनेक अधिकारी, कर्मचारी, दोनों अधिकारियों के परिजन तथा अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की कामना की।

सोने की चेन बदलकर लाखों की धोखाधड़ी का आरोप, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में सोने की चेन गिरवी रखने के नाम पर कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद दो आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि चिटहेरा गांव निवासी अभिषेक उर्फ मोंटू ने शिकायत में बताया है कि 10 फरवरी को सरफराज चिश्ती और जावेद चिश्ती उसके पास पहुंचे थे। दोनों ने एक सोने की चेन गिरवी रखकर रुपये लेने की बात कही। शिकायत के अनुसार, चेन के बदले उन्हें 2.80 लाख रुपये दिए गए। कुछ समय बाद दोनों दोबारा एक अन्य चेन लेकर पहुंचे। इसी दौरान उन्होंने पहले गिरवी रखी गई चेन को नकली बताते हुए उसे जांच कराने के बहाने अपने कब्जे में ले लिया। आरोप है कि इसी दौरान असली चेन को बदलकर दूसरी चेन दे दी गई, जिससे पीड़ित को आर्थिक नुकसान हुआ। पीड़ित का आरोप है कि घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई थी, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ग्रेटर नोएडा से शिकायत की। मामले का संज्ञान लेते हुए डीसीपी के निर्देश पर कोतवाली दादरी पुलिस ने सरफराज चिश्ती और जावेद चिश्ती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर में काम करने वाली महिला ने चुराया मोबाइल, क्रॉसिंग पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने घर से मोबाइल फोन चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी किया गया एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। बीती 27 जुलाई 2026 को पैरामाउंट सिम्फनी सोसायटी निवासी शिल्पा ने थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि बीती 26 जुलाई को उनके घर पर पूजा नाम की एक महिला घरेलू काम करने आई थी। उसके जाने के बाद घर में रखा मोबाइल फोन गायब मिला। पीड़िता ने आशंका जताई कि मोबाइल की चोरी उसी महिला द्वारा की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य तकनीकी माध्यमो से साक्ष्य जुटाए गए। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस अभियुक्ता महिला तक पहुंचने में सफल रही। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने शांति नगर से चित्रवन सोसायटी जाने वाले मार्ग पर कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला पूजा पत्नी अरविंद को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार महिला मूल रूप से बुलंदशहर जिले की रहने वाली है और वर्तमान में क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में निवास कर रही थी। पुलिस ने उसकी तलाशी के दौरान चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद किया। पूछताछ के दौरान महिला ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। उसने पुलिस को बताया कि वह घरेलू काम करने के लिए पीड़िता के घर गई थी। वहां उसे एक मोबाइल फोन रखा हुआ दिखाई दिया। लालच में आकर उसने मौका देखकर फोन चुरा लिया। वह मोबाइल बेचकर पैसे कमाना चाहती थी, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि गिरफ्तार महिला की उम्र करीब 34 वर्ष है। उसके कब्जे से एप्पल कंपनी का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ है। फिलहाल उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की सेवा का लिया संकल्प

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्राचीन शिव पार्वती धाम साँझक मंदिर की धर्मशाला में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और विधि विधान के साथ हुआ। शिविर का उद्घाटन सुखतीर्थ आश्रम के प्रतिनिधि एवं सुखतीर्थ ट्रस्ट के संचालक ओम दत्त आर्य ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। ओम दत्त आर्य ने कहा कि साँझक मंदिर की पौराणिक महिमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है और यहां स्वयं प्रकट शिव पार्वती की प्रतिमा श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक स्वरूप सेवा, सत्संग और सदाचार में निहित है। उन्होंने परिवारों से धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का आह्वान किया। साथ ही कांवड़ सेवा शिविर में केवल भक्ति एवं सनातन संस्कृति से जुड़े भजनों का प्रसारण करने की सलाह दी, ताकि यात्रा की पवित्रता बनी रहे। जिला पंचायत सदस्य सत्येंद्र बालियान ने कहा कि साँझक धर्मशाला का कांवड़ सेवा शिविर क्षेत्र की गौरवशाली परंपरा है और समिति द्वारा कांवड़ियों के लिए भोजन, विश्राम तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय कार्य है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य धीरेंद्र बालियान ने भी आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक और धार्मिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

नशा मुक्त भारत अभियान को युवाओं का समर्थन, प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश

शामली (शिखर समाचार)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माई भारत अभियान के अंतर्गत सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में राष्ट्रव्यापी नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान 2026 के तहत विभिन्न जागरूकता प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामली सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया और अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप तथा नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने किया। इस अवसर पर सुरेश राणा ने कहा कि युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और प्रत्येक युवा को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनानी चाहिए।

रामजी लाल कश्यप ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। ऐसे जनजागरूकता अभियान युवाओं को सही दिशा देने के साथ समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशामुक्त रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

अभियान के अंतर्गत नृत्य, वाद-विवाद, मौलिक कविता, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, रैंप प्रस्तुति और लघु फिल्म प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को रेखांकित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के सदस्य, जिला युवा अधिकारी, खेल एवं युवा सलाहकार समिति के पदाधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साहूवाला रेंज में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, खैर की बेशकीमती लकड़ी से लदी पिकअप जब्त

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर वन विभाग की साहूवाला रेंज की टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खैर की बेशकीमती लकड़ी से लदी एक पिकअप गाड़ी जब्त कर ली। हालांकि वन विभाग की टीम को सामने देखकर चालक और उसके साथी वाहन को मौके पर छोड़कर घने जंगल और अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गए। वन विभाग ने वाहन और लकड़ी को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

वन विभाग के अनुसार साहूवाला रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रामवृक्ष राव को गोपनीय सूचना मिली थी कि मदपुरी क्षेत्र से अफजलगढ़ की ओर एक पिकअप वाहन में खैर की प्रतिबंधित लकड़ी की अवैध तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी ने तत्काल विशेष टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वन दरोगा मोहित कुमार और अजय कुमार के नेतृत्व में वन कर्मियों ने संदिग्ध मार्ग पर घेराबंदी कर सघन जांच अभियान शुरू किया।

जैसे ही संदिग्ध पिकअप वाहन निर्धारित स्थान पर पहुंचा, सामने वन विभाग की टीम को देखकर तस्करों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई से बचने के लिए चालक और उसके साथी वाहन को वहीं छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले। वन कर्मियों ने वाहन की तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में खैर की बेशकीमती लकड़ी बरामद की, जिसे जब्त कर वाहन सहित सीज कर दिया गया।

वन विभाग का कहना है कि बरामद लकड़ी की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। फरार तस्करों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और उनके खिलाफ वन अधिनियम की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि वन संपदा की तस्करी करने वालों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

ईकोटेक-3 औद्योगिक सेक्टर हाईमास्ट और एलईडी स्ट्रीट लाइट से जगमगाया, सुरक्षा व उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक सेक्टर ईकोटेक 3 में 21 हाईमास्ट तथा 450 एलईडी स्ट्रीट लाइट स्थापित कर क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया है। शुक्रवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर ने विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक अजीतभाई पटेल तथा इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में इस परियोजना का शुभारंभ किया। लगभग 3.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस योजना से औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के साथ साथ रात्रिकालीन आवागमन सुगम होगा और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

प्राधिकरण के अनुसार उद्योगपतियों की मांग पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन. जी. रवि कुमार ने इस परियोजना को स्वीकृति देते हुए कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए थे। योजना के तहत 16 मीटर ऊंचाई वाले पांच तथा 25 मीटर ऊंचाई वाले 16 हाईमास्ट लगाए गए हैं। इसके अलावा पूरे सेक्टर में 450 एलईडी स्ट्रीट लाइट स्थापित कर प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। तेजपाल नागर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बेहतर आधारभूत सुविधाएं उद्योगों के विस्तार और निवेश को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन. जी. रवि कुमार के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा में तेजी से हो रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण विकसित भारत के लक्ष्य तथा उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संभव 6.0 अभियान के तहत दनकौर में कुपोषण मुक्त बचपन पर जोर, आंगनबाड़ी केंद्रों की सघन निगरानी शुरू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के विशेष अभियान 'संभव 6.0' के अंतर्गत दनकौर परियोजना में कुपोषण उन्मूलन और मातृ शिशु पोषण सुरक्षा को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान तेज कर दिया गया है। ह्लगर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षाह्व की थीम पर संचालित इस अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मुख्य सेविकाओं को मैदानी स्तर पर प्रभावी निगरानी और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी पंजीकृत बच्चों का नियमित वजन और लंबाई मापकर उनकी पोषण स्थिति का आकलन किया जा रहा है। मध्यम एवं अति कुपोषित बच्चों तथा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनके घर घर जाकर परामर्श दिया जा रहा है। माताओं को जन्म के पहले घंटे में स्तनपान, छह माह तक केवल स्तनपान, इसके बाद पूरक पौष्टिक आहार तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों को टेक होम राशन और पोषण पोटली का पारदर्शी वितरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सेविकाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण, वजन मशीन और लंबाई मापक उपकरणों के सही उपयोग की जांच, गृह भ्रमण के सत्यापन तथा पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज आंकड़ों का मिलान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम के साथ नियमित बैठकें कर टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की जा रही है। बाल विकास परियोजना अधिकारी दनकौर संध्या सोनी ने बताया कि अभियान की प्रतिदिन और साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। किसी भी स्तर पर फर्जी आंकड़े दर्ज करने, बच्चों का वजन न लेने या गृह भ्रमण में लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

संपादकीय

न्याय की कसौटी पर लोकतंत्र की मजबूती

वर्ष 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की नृशंस हत्या के मामले में कड़कड़डूमा अदालत द्वारा पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन सहित पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाया जाना भारतीय न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला फैसला है। यह निर्णय केवल एक चर्चित आपराधिक मामले का निष्कर्ष नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून सर्वोपरि है और किसी भी व्यक्ति की राजनीतिक पहचान, सामाजिक हैसियत या प्रभाव उसे न्यायिक प्रक्रिया से ऊपर नहीं रख सकता। छह वर्षों तक चली सुनवाई, साक्ष्यों की विस्तृत जांच, गवाहों के बयान और कानूनी प्रक्रिया के बाद आया यह फैसला उस विश्वास को मजबूत करता है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन कानून की अदालत में अपराध और अपराधी का मूल्यांकन तथ्यों के आधार पर ही किया जाता है। दिल्ली दंगे स्वतंत्र भारत के इतिहास की उन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में शामिल हैं, जिन्होंने देश की राजधानी को हिंसा, भय और अविश्वास के माहौल में धकेल दिया था। अनेक लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए और हजारों परिवारों की आजीविका तथा सामाजिक सुरक्षा प्रभावित हुई। इन्हीं घटनाओं के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उनका शव जिस स्थिति में मिला, उसने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया था। अदालत ने भी अपने निर्णय में इस अपराध को अत्यंत गंभीर माना और स्पष्ट किया कि यह केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं थी, बल्कि ऐसी घटना थी जिसने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। हालांकि अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने सभी तथ्यों और कानूनी मानकों पर विचार करते हुए आजीवन कारावास की सजा को उपयुक्त माना। लोकतंत्र में न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति उसकी निष्पक्षता होती है। अदालतें न तो जनभावनाओं के दबाव में निर्णय देती हैं और न ही राजनीतिक विमर्श से प्रभावित होकर। उनका आधार केवल संविधान, कानून और प्रस्तुत साक्ष्य होते हैं। यही कारण है कि ऐसे संवेदनशील मामलों में न्यायालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यदि लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास बना रहता है तो वह व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत होती है। इस फैसले ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, चाहे निर्णय किसी के पक्ष में हो या विपक्ष में। यह मामला केवल एक हत्या का नहीं था, बल्कि यह उस चुनौती का भी प्रतीक था जो सांप्रदायिक हिंसा और भीड़ की मानसिकता से लोकतंत्र को मिलती है। जब समाज में अफवाहें, कट्टरता और नफरत का वातावरण तैयार होता है तो सबसे पहले कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके बाद निर्दोष नागरिक इसकी कीमत चुकाते हैं। दंगे किसी धर्म, जाति या समुदाय की जीत नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की हार होते हैं। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, जिन बच्चों ने अपने माता पिता को खोया और जिन लोगों की वर्षों की मेहनत से बनाई गई संपत्ति नष्ट हुई, उनके लिए कोई भी फैसला उस क्षति की भरपाई नहीं कर सकता। इसलिए यह आवश्यक है कि समाज हिंसा के कारणों को समझे और भविष्य में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न ही न होने दे। आज सोशल मीडिया के दौर में झूठी सूचनाएं और भड़काऊ संदेश बहुत तेजी से फैलते हैं। कई बार बिना सत्यापन के साझा की गई बातें सामाजिक तनाव को बढ़ा देती हैं। दिल्ली दंगों ने भी यह सिखाया कि अफवाहें कितनी भयावह स्थिति पैदा कर सकती हैं। इसलिए सरकार, प्रशासन, मीडिया और नागरिक समाज सभी की जिम्मेदारी है कि वे तथ्य आधारित संवाद को बढ़ावा दें और समाज में विश्वास का वातावरण बनाए रखें।

~ मौलिक चिंतन ~

एक व्यक्ति है जिसे आपको सबसे पहले खुश करना चाहिए, वो कोई और नहीं स्वयं आप हैं। आप खुश होंगे तभी दूसरों को खुशी दे पाएंगे।

© विनय संकोची

सडक दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सडक दुर्घटनाओं में कमीं न आना बेहद दुर्भग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलनाए कहीं न कहीं सडक पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज कहीं न कहीं से भीषण सडक दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिल ही जाते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सडक हादसा माना जाता है। सडक हादसों में बेवजह लाखों जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के डेटा पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सडक पर खड़े वाहनों से टकराकर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सडक से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुईए 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं आमने.सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना का शिकार हुए जो अन्य क्षति छोडकरए मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गतिए बिना हेलमेटए वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरीए सुस्तीए नींद के झोंकेए वाहन चलाते समय धूम्रपानए शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्सए टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करनेए टायरों पर ध्यान नहीं देने और ज्यादा पुरानेए घिसेए कटे.फटेए क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोगए बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है। गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवर टेक भी वजह है। छोटी सडकों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहाघ् जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपोयग नहीं करना दुर्घटनाओं का सबब बनता है।

ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे.छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कताए थोड़ी सजगता से बड़ी.बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है दुर्घटना से देर भली।

अन्नदाता, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को नई उड़ान

विनोद कुमार सिंह

केंद्रीय मंत्रिमंडल के तीन बड़े निर्णयों से विकसित भारत की आधारशिला होगी और सुदृढ़...

विकसित भारत का निर्माण केवल ऊँची आर्थिक विकास दर से नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक किस सीमा तक पहुँचता है। जब किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो, ऊर्जा के स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हों और युवा अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हो, तभी विकास समावेशी और टिकाऊ बनता है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णय इसी व्यापक सोच और दूरदृष्टि का परिचय देते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि(पीएम- किसान)योजना को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने के लिए लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये तथा खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इन संयुक्त वित्तीय निर्णयों से स्पष्ट है कि सरकार कृषि, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को विकसित भारत की तीन प्रमुख आधारशिलाओं के रूप में देख रही है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देश के करोड़ों किसानों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में स्थिरता और विश्वास का आधार बन चुकी है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं तथा उनके बैंक खातों में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं में शामिल यह कार्यक्रम पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन का भी प्रभावी उदाहरण बन गया है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में किसान की आय में स्थिरता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजार,लघु उद्योग,कृषि यंत्र, उर्वरक, बीज,परिवहन और स्थानीय व्यापार तक दिखाई देता है। यही कारण है कि कृषि क्षेत्र में किया गया प्रत्येक निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहियों को गति देता है।पीएम-किसान योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली है।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुँचने से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि किसानों का सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का यह एक सशक्त उदाहरण माना जा सकता है।हालाँकि केवल आय सहायता ही कृषि की सभी चुनौतियों का समाधान नहीं है। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक,कृषि अनुसंधान,मूल्य संवर्धन,भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था पर समान रूप से निवेश आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में भी समान गति से सुधार आगे बढ़ता है, तो पीएम-किसान योजना का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा।केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना है। लगभग 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य देशभर में जलाशयों,बाँधों और सरोवरों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास करना है। ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत दूरगामी महत्व रखता है।आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। औद्योगिकीकरण, डिजिटलीकरण और शहरीकरण के कारण बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती यह संकेत देती है कि ऊर्जा उत्पादन के स्वच्छ स्रोतों का तेजी से विस्तार समय की आवश्यकता है।फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँ इस दिशा में एक अभिनव समाधान प्रस्तुत करती हैं। जलाशयों की सतह पर स्थापित सौर पैनलों से स्वच्छ बिजली का उत्पादन बढ़ता है, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता कम होती है तथा जल के वाष्पीकरण में भी उल्लेखनीय कमी आती है।इस प्रकार एक ही परियोजना ऊर्जा उत्पादन और जल संरक्षण–दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है।भारत ने पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है।सूर्य सरोवर योजना उस यात्रा को नई गति प्रदान करेगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत बनाएगी।सूर्य सरोवर योजना का महत्व केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है।यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता,पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का संकल्प लिया है। ऐसे समय में जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे कृषि योग्य भूमि सुरक्षित रहती है। जलाशयों की सतह पर लगे सौर पैनल पानी के वाष्पीकरण को कम करते हैं, जिससे जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।साथ ही जल की ठंडक के कारण सौर पैनलों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस प्रकार यह योजना ऊर्जा, पर्यावरण और जल प्रबंधन–तीनों क्षेत्रों में एक साथ सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीसरा महत्वपूर्ण निर्णय खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को स्वीकृति देना है।पिछले एक दशक में भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक,पैरालंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।इन सफलताओं के पीछे खेल अवसंरचना का विस्तार,प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खेलो इंडिया मिशन के नए चरण का उद्देश्य देशभर में खेल संस्कृति को और मजबूत करना, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान करना, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना तथा खेल विज्ञान, पोषण, खेल चिकित्सा और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है।भारत यदि वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करना चाहता है, तो ऐसी योजनाएँ आधारभूत भूमिका निभाएँगी।वास्तव में इन तीनों निर्णयों का सामूहिक विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार ने विकास की ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है,जिसमें अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा, हरित ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और युवा शक्ति के माध्यम से मानव संसाधन विकास को समान महत्व दिया गया है।यही विकसित भारत की वह अवधारणा है जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व भी शामिल है।लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय संकल्प वाले ये निर्णय केवल बजटीय घोषणाएँ नहीं हैं,बल्कि देश के भविष्य में किया गया दीर्घकालिक निवेश हैं। कृषि क्षेत्र में स्थिर आय, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार और खेल प्रतिभाओं का विकास–ये तीनों मिलकर भारत की उत्पादक क्षमता,सामाजिक पूंजी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की वास्तविक सफलता उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुँचे, सूर्य सरोवर योजना की परियोजनाएँ समयबद्ध ढंग से पूरी हों और खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत तैयार होने वाली सुविधाएँ वास्तव में खिलाड़ियों तक पहुँचें - यही इन निर्णयों की सफलता का वास्तविक पैमाना होगा।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निगरानी और पारदर्शी कार्यप्रणाली इन योजनाओं को अपेक्षित परिणाम तक पहुँचाने में निर्णायक सिद्ध होगी।31 जुलाई 2026 की केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय यह संदेश देते हैं कि भारत अब विकास के ऐसे मॉडल की ओर बढ़ रहा है,जहाँ किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि आर्थिक विकास का आधार है; स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की शक्ति है; और युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार है।यदि इन योजनाओं का क्रियान्वयन घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ,तो आने वाले वर्षों में यह दिन भारतीय विकास यात्रा के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में याद किया जाएगा, जब सरकार ने कृषि,हरित ऊर्जा और युवा शक्ति–इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ नई दिशा देकर विकसित भारत के संकल्प को और अधिक ठोस आधार प्रदान किया।

सिर्फ कठोर कानून बनाना किसी समस्या का समाधान नहीं है

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा?

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और रू.50 लाख तक के जुमार्ने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुमार्ना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है। क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैंसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था। सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एन्क्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एन्क्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

दूसरा कदम एआई निगरानीः परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

तीसरा कदम प्रशासनिक एवं परीक्षा संचालन में सुधार चरणबद्ध ऑनलाइन परीक्षाएं : बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए।सुरक्षित प्रिंटिंग कमांडः परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले ऑन-डिमांड प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी)ः आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर सोर्स (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। इसलिए, प्रश्न पत्र बनाने वाले और उसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए।

चौथा कदम सख्त कानूनी और संस्थागत उपाय त्वरित अदालतें और स्पेशल टास्क फोर्सः पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो और फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए दोषियों को तुरंत सजा मिले।सर्विस प्रोवाइडर्स पर शिकंजाः परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों को गड़बड़ी पाए जाने पर हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनकी संपत्ति जब्त की जाए। योग्यता-आधारित रोजगार व्यवस्था डिग्री के बजाय स्किल टेस्टः यदि सरकारी और निजी नौकरियों में भर्ती का आधार केवल एक लिखित परीक्षा या डिग्री न होकर व्यावहारिक योग्यता, कौशल परीक्षण और प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो हो, तो एकल परीक्षा का दबाव और उसमें धोखाधड़ी करने की होड़ अपने आप कम हो जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य Lady Fingerv रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है।

भिंडी की खेती-बुआई एवं खेत की तैयारी

इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। म.प्र. में लगभग 23500 हे. में इसकी खेती होती है। प्रदेश के सभी जिलों में इसकी खेती की जा सकती है।

अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उत्तम किस्में

पूसा ए-4

यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।

यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई है।

यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील है।

यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।

फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।

बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति है।

परभनी क्रांति

यह किस्म पीत-रोगरोधी है।

यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ाई कृषि विश्वविद्याल य, परभनी द्वारा निकाली गई है।

फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते हैं।

फल गहरे हरे एवं 15-18 सेंमी लम्बे होते हैं।

इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है।

पंजाब-7

यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई है। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते हैं। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है।

अर्का अभय

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं।

फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती है।

यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।

पैदावार 12-15 टन प्रति है हो जाती हैं।

हिसार उन्नत

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।

पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है होती हैं।

फल 15-16 सेंमी लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।

यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

वी.आर.ओ.-6

इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।

यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।

वर्षा उपहार

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।

पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बड़े लोब्स वाली होती है।

वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरु हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।

फल चौथी पांचवी गाठों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति हे. होती हैं।

इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।

इंटरनोड पासपास होते हैं।

औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरु हो जाते हैं।

गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमश : 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई

नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि

जैट्रोफा की खेती

परिचय

झारखंड की जलवायु तथा मिटटी जैट्रोफा की खेती के लिए उपयुक्त है। सभी 24 जिलों में वृहत जलवायु तथा समशीतोष्ण प्रक्षेत्रों में पथरीले, रेतीले, कम उपजाऊ तथा बंजर भूमि पर खेती की जा सकती है। दोमट भूमि में खेती अच्छी होती हैं, परन्तु जल जमाव वाली जमीन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। अन्य प्रदेशों में जैसे मध्य प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि के किसान भी जैट्रोफा की खेती करते है।

कैसे करें रतनजोत की खेती

जैट्रोफा को आम भाषा में रतनजोत कहा जाता है। इसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 नामों से जाना जाता है जैसे सफेद अरण्ड, जंगली अरण्ड, बाघ्र अरण्ड, चद्‌र्जोत, जमालगोटा आदि। इसका वैज्ञानिक नाम फ्ऱजैट्रोफा करकसफ्ऱ है। किसान जुलाई माह में जैट्रोफा के बीज सीधी बुआई द्वारा तैयार गड्ढों में कर जैट्रोफा के पौधे उगा सकते है। बोने के पहले बीज को 12 घंटों तक पानी में भिंगोते हैं।

नर्सरी में तैयार पौधों को किसान अपने बंजर भूमि एवं खेतों के मेड़ों में लगा सकते है। नर्सरी में तैयार करने के लिए मार्च-अप्रैल महीने में 1 मी. × 10 मी. तथा 5 सें.मी. दूरी पर 2 सें.मी. की गहराई पर बोयें। इसे कटिंग द्वारा भी लगाया जा सकता है। कटिंग 2-3 माह बाद नर्सरी बेड से रोपाई वाले क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में लगाते हैं।

प्रभेद - आर जे-117 जी.आई.ई. नागपुर, बामुंडा तथा एसडीएयूटी-1 अधिक उपज देती है।

उपज- दिसम्बर-जनवरी में काले रंग के फलों को तोड़ लेते है। तीसरे वर्ष किग्रा. बीज प्रति पौधा प्राप्त होता है। पौधे वर्ष में 1 किग्रा./पौधा तथा आगे प्रति वर्ष उपज बढ़ती है। स्वस्थ एवं मजबूत पौधे होने पर 3-4 किग्रा. प्रति पौधा की दर से उपज प्राप्त कर सकते है। प्राय- 6-10 रु./किग्रा. बीज की विक्रय दर से आय प्राप्त कर सकते है। पेराई कर तेल बेचने पर अधिक आय मिलती है।

जैट्रोफा की खेती-किसानों के लिए उपयोगी

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर जैट्रोफा की खेती रोजगार के रूप में की जा सकती है। गाँवों की पथरीली एवं बंजर भूमि पर इसकी खेती कर के रोजगार एवं आय का सरल स्त्रोत माना जा सकता है। पौधों को जंगली पशु, पालतू पशु एवं फलों एवं बीजों को चिडियों से नुकसान नहीं होता है। अच्छी रख-रखाव होने से 30-40 वर्षो तक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इसका उपयोग जैव इंधन, औषधि, जैविक खाद, रंग बनाने, भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, खेत की मेड पर बाड़ के रूप में तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए करते है।

बजाज फाइनेंस का एआई-आधारित विकास का लक्ष्य

- फिनएआई बदलाव अगले 12-18 माह में पूरा होगा

नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फिनटेक पर आधारित एक महत्वाकांक्षी विकास योजना का अनावरण किया है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार, यह फिनएआई बदलाव अगले 12-18 महीनों में पूरा होगा, जो अगले 8-10 सालों के लिए जबरदस्त वृद्धि की नींव रखेगा। कंपनी वित्त वर्ष 27 तक 300 से अधिक एआई यूज केस लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत वित्त वर्ष 27 तक परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) 6.3-6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो अगले 10 वर्षों में 40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। इससे भारत के कुल ऋण बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 5 फीसदी रहेगी। कंपनी 20 क्षेत्रों में विस्तार करेगी, जिनमें 13 क्षेत्रों में वित्त वर्ष 30 तक मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। लक्ष्यों में वाणिज्यिक व एमएसएमई ऋण एयूएम क्रमशः 1.6 लाख करोड़ व 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना, 5.5 करोड़ नए ग्राहक, 17.5 करोड़ ऐप इंस्टॉल और 3.9 करोड़ सालाना बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। कंपनी 2500 करोड़ का स्टार्टअप निवेश और आरएंडडी के लिए 250-400 करोड़ रुपये प्रतिबद्ध करेगी, साथ ही 4.5 लाख सोलर फाइनेंसिंग और वित्त वर्ष 30 तक 10 लाख ईवी फाइनेंसिंग के साथ सबसे बड़ी सोलर ऋणदाता बनने का लक्ष्य रखती है।

बजाज फाइनैंस का पहली तिमाही में मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा, एसेट क्वालिटी में सुधार

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनैंस ने 30 जून को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही) में मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। कंपनी का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 5,346 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) और गैर-ब्याज आय में प्रभावशाली वृद्धि के कारण हुई है, जिसकी जानकारी कंपनी ने हाल ही में दी। बजाज फाइनैंस की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24 प्रतिशत बढ़कर 11,495 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस वृद्धि को परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) में 23 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि से बल मिला, जो इस तिमाही में एकल आधार पर 4 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। कंपनी की गैर-ब्याज आय में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2,434 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान, ऋणदाता के नए ऋणों की संख्या सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई। कंपनी की संपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। गैर-निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) 30 जून, 2026 को घटकर 1.20 प्रतिशत रह गईं, जबकि एक साल पहले यह 1.28 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्तियां 0.63 प्रतिशत से गिरकर 0.49 प्रतिशत पर आ गईं। समग्र आधार पर, बजाज फाइनैंस का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़कर 6,081 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का ग्राहक आधार सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.4 करोड़ से अधिक हो गया, जबकि इसका समग्र एयूएम 24 प्रतिशत बढ़कर 5.47 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

आरबीआई ने थोक जमा दरों में बैंकों को दी अधिक छूट एलसीआर से जुड़ेगी ब्याज दर

- एकरूपता का सिद्धांत बरकरार, 1 अक्टूबर से होगी प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को थोक जमा (बल्क डिपॉजिट) पर ब्याज दरें तय करने में अधिक लचीलापन दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, बैंक अब अपनी तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) आवश्यकताओं के आधार पर थोक जमा की तरलता विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग ब्याज दरें निर्धारित कर सकेंगे। हालांकि, आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक ही प्रकार की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों में बैंक की सभी शाखाओं और ग्राहकों के लिए एकरूपता का व्यापक सिद्धांत बरकरार रहेगा।

केंद्रीय बैंक के नए निर्देश बैंकों को थोक जमा पर ब्याज दरें तय करने में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं।

आरबीआई ने कहा है कि बैंक अब एलसीआर ढांचे के तहत जमा या बिना गारंटी वाले थोक फंडिंग पर लागू रन-ऑफ रेट को ध्यान में रखते हुए थोक जमा पर अलग-अलग ब्याज दरें रखने के लिए स्वतंत्र होंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 166, निफ्टी 66 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही लिवाली हावी रहने से आई है। आज ऑटोमोबाइल और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.49 अंकों की तेजी के साथ ही 78,094.64 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 66.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,383.60 के स्तर पर बंद हुआ है

आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से ज्यादातर शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं बजाज फाइनेंस , एमएम आडानी पोर्ट और टाटा स्टील के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर टीसीएस, इंफोसिस और टेक महिन्द्रा के शेयर गिरे हैं।

आज मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। इससे निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.51 फीसदी तक ऊपर आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बढ़त दर्ज की गई। आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी मीडिया में रही और यह 2 फीसदी से ज्यादा उछल गया। निफ्टी ऑटो और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी मेटल, फार्मा, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे इंडेक्स भी लाभ

के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी करीब 1.70 फीसदी तक गिर गया। वहीं निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की कमजोरी रही।

जानकारों के अनुसार बाजार में आई तेजी के लिए कई कारण जिम्मेदार रहे। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीददारी से भी बाजार उछला है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती और दिग्गज कंपनियों के अच्छे परिणामों से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत रही। वित्तीय सेवा और ऑटो सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से बाजार ऊपर आया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 43.30 अंक की बढ़त के साथ 77,971.45 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 भी 33.55 अंक चढ़कर 24,350.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया एक पैसे की तेजी के साथ ही 95.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.30 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपये को बल मिला। घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त के साथ 95.30 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज करते हुए गुरुवार को 26 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.50 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 100.21 पर रहा।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा 9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने खर्चों में प्रभावी कटौती और अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के दम पर यह प्रदर्शन किया, जबकि इस दौरान उसकी कुल आय में गिरावट आई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसका शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही के 1,360 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,488 करोड़ रुपये हो गया। भले ही इस अवधि में कंपनी की कुल आय 7,233 करोड़ रुपये से घटकर 7,066 करोड़ रुपये और ब्याज आय 7,113 करोड़ रुपये से 7,024 करोड़ रुपये पर आ गई, लेकिन लाभ में यह वृद्धि खर्चों में प्रभावी कटौती के कारण संभव हुई। समीक्षाधीन तिमाही में कुल खर्च 5,534 करोड़ रुपये से घटकर 5,177 करोड़ रुपये रह गया। इसके अतिरिक्त कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार दिखा। जून, 2026 तक सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 2.62 प्रतिशत से कम होकर 2.14 प्रतिशत रह गईं। इसी प्रकार, कंपनी का शुद्ध एनपीए भी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 1.3 प्रतिशत से घटकर 1.12 प्रतिशत पर आ गया, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत दर्शाता है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां जुलाई में अप्रत्याशित रूप से घटीं

- पांच महीने में पहली बार 50 से नीचे आया आधिकारिक पीएमआई

हांगकांग ।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जुलाई माह के दौरान अप्रत्याशित सुस्ती दर्ज की गई है। आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पांच महीने में पहली बार संकुचन के दायरे में आ गया है, जिससे व्यापक आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ने की आशंका है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आधिकारिक विनिर्माण पीएमआई जून के 50.3 से गिरकर जुलाई में 49.2 पर आ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी कमजोर रहा। पीएमआई का 50 से नीचे का स्तर गतिविधियों में संकुचन का संकेत देता है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक भी जून के 51.2 से जुलाई में 48.5 पर आ गया, जो 2023 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

वहीं उत्पादन का उप-सूचकांक 51.4 से घटकर 49.9 पर पहुंच गया। यह गिरावट चीन की अर्थव्यवस्था के लिए साल की दूसरी छमाही के शुरुआती आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से उत्साहजनक नहीं है, जैसा कि आईएनजी बैंक के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया। चीन की अर्थव्यवस्था लंबे समय से घरेलू खर्च और निवेश में सुस्ती के दबाव में है।

भारतीय शेयर बाजार में बड़ा बदलाव, ट्रेडिंग का समय बढ़ा

- एफएंडओ सेगमेंट में पारदर्शिता बढ़ेगी, नियम, 3 अगस्त से होंगे प्रभावी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में 3 अगस्त से फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) और इक्विटी कैश सेगमेंट में कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने, क्लोजिंग प्राइस को अधिक सटीक बनाने और निवेशकों को बेहतर ट्रेडिंग अनुभव देने के उद्देश्य से ये नए नियम जारी किए हैं। शेयर बाजार में निवेश करने वाले या एफएंडओ में ट्रेडिंग करने वाले सभी निवेशकों के लिए इन बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। सेबी के नए सर्कुलर के अनुसार एफएंडओ ट्रेडिंग का समय अब शाम 3:30 बजे की बजाय 3:40 बजे तक जारी रहेगा, जिससे ट्रेडर्स को अपनी पोजीशन एडजस्ट करने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट मिलेंगे। हालांकि, जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट हैं, उनके कैश मार्केट में सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 3:15 बजे तक ही होगी। इसके बाद इन शेयरों के लिए एक नई प्रक्रिया, क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू की जाएगी।

वहीं जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट नहीं हैं, उनकी ट्रेडिंग पहले की तरह 3:30 बजे तक चलेगी और उनके लिए मौजूदा नियम ही लागू रहेंगे। सीएएस एक विशेष प्रक्रिया है जिसके जरिए बाजार बंद होने से पहले एफएंडओ वाले शेयरों का अंतिम क्लोजिंग प्राइस तय किया जाएगा। इस सेशन में खरीदार और विक्रेता के ऑर्डरों का मिलान कर एक संतुलित मूल्य निकाला जाएगा, जिसे उस दिन का क्लोजिंग प्राइस माना जाएगा।

नए नियमों के तहत एफएंडओ शेयरों के कैश सेगमेंट में क्लोजिंग प्राइस अब वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस के बजाय इसी सीएएस से तय होने वाले इक्विलिब्रियम प्राइस पर आधारित होगा। हालांकि, स्टॉक फ्यूचर्स के लिए वीडब्ल्यूएपी प्रणाली जारी रहेगी, लेकिन इसकी गणना अब 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच के डेटा के आधार पर होगी।

महिंद्रा समूह अनिश्चितता के दौर में अपनाएगा आक्रामक रुख,वृद्धि को मिलेगी रफ्तार

चेयरमैन आनंद महिंद्रा बोले, भू-राजनीतिक उथल-पुथल में तैयार कंपनियां लेती हैं निर्णायक बढ़त

मुंबई ।

महिंद्रा समूह अब वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में आक्रामक रवैया अपनाएगा, जिससे निवेश, नवाचार और क्रियान्वयन को गति मिलेगी। चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि अच्छी तैयारी वाली कंपनियों के लिए ये चुनौतियां बढ़त हासिल करने के अवसर पैदा करती हैं। आनंद महिंद्रा ने स्पष्ट किया कि आक्रामकता बेतहाशा गति नहीं, बल्कि तैयारी, आत्मविश्वास और क्षमता के साथ रणनीतिक गति बढ़ाना है।

उन्होंने फॉर्मूला ई-रेसिंग का उदाहरण दिया, जहाँ अनिश्चित परिस्थितियों में भी तैयार ड्राइवर निर्णायक बढ़त बना सकता है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का मंथन अब दूसरे चरण में है, जहाँ आपूर्ति श्रृंखला, भू-राजनीति और व्यापार मॉडल में व्यवधान दीर्घकालिक पुनर्संरचना का हिस्सा हैं।

महिंद्रा के अनुसार, भारत और समूह दोनों इन चुनौतियों से मजबूत उभरे हैं।

भारत का विशाल घरेलू बाजार, प्रतिभा, राजनीतिक स्थिरता और विनिर्माण क्षमताएं उसे वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बना रही हैं।

जैसे, भारत अब दुनिया के एक चौथाई आईफोन का उत्पादन करता है, जो वैश्विक विनिर्माण में उसकी बढ़ती भूमिका का प्रमाण है।

सोने में गिरावट के बावजूद निवेशकों को ढाई गुना लाभ

मुंबई।

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद निवेशकों का भरोसा इस कीमती धातु पर बना हुआ है। वर्ष 2023 में लगभग 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करने वाला सोना वर्ष 2026 में करीब 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। इस अवधि में लंबी अवधि के निवेशकों को लगभग ढाई गुना का लाभ मिला है। विशेषज्ञों का कहना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, भू-राजनीतिक तनाव और केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद ने इसकी कीमतों को मजबूती बनाकर रखी है। बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। वित्तीय

सलाहकारों के अनुसार, दीर्घकालिक निवेश के लिए सोना अब भी भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है।

आवाडा समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जुटाए 1.3 अरब डॉलर

2,150 मेगावॉट की परियोजनाओं को भारतीय बैंकों से मिली वित्तीय सहायता

नई दिल्ली ।

आवाडा समूह ने गुजरात और महाराष्ट्र में अपनी 2,150 मेगावॉट की महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1.3 अरब डॉलर की बड़ी वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आरईसी लिमिटेड और केनरा बैंक सहित प्रमुख भारतीय वित्तीय संस्थानों ने चार विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के माध्यम से इस महत्वपूर्ण वित्तपोषण को मंजूरी दी है।

इन परियोजनाओं में 1,350 मेगावॉट की हाइब्रिड (सौर और पवन ऊर्जा) नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं और 800 मेगावॉट की यूटिलिटी-स्तरीय सौर ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इनका

विकास महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) जैसी प्रमुख राज्य बिजली वितरण कंपनियों के लिए किया जा रहा है। ये परियोजनाएं गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर कुल 3,000 मेगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा और 450 मेगावॉट पवन ऊर्जा क्षमता विकसित करेंगी।

कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में किया 374 करोड़ का निवेश

- खुले बाजार सौदों के जरिये फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेची 1.49 फीसदी हिस्सेदारी

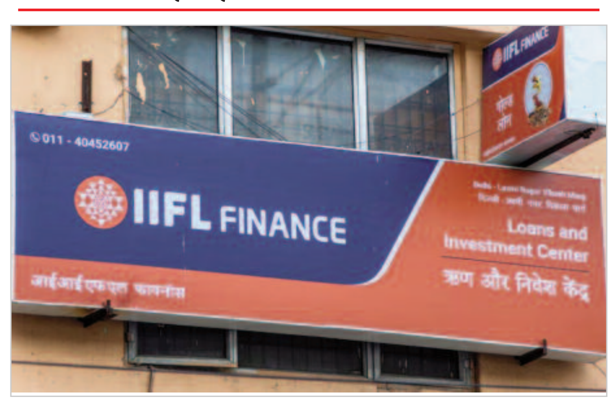

नई दिल्ली ।

अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में एक बड़ा निवेश किया है। कंपनी ने खुले बाजार सौदों के माध्यम से 374 करोड़ रुपये में 1.49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है, जिसे फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेचा है। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक कैपिटल ग्रुप ने अपनी दो इकाइयों कैप वर्ल्ड फंड इंक और अमेरिकन फंड्स इंश्योरेंस सीरीज ग्लोबल स्मॉल कैपिटलाइजेशन फंड के जरिये आईआईएफएल फाइनेंस के कुल 63,39,355 शेयर औसतन 590 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। वहीं फेयरफैक्स इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने भी इतनी ही संख्या में शेयर बेचे। इस लेनदेन के बाद आईआईएफएल फाइनेंस में एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स की हिस्सेदारी 15.18 प्रतिशत से घटकर 13.69 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, हिस्सेदारी बेचने के बाद भी, यह इकाई मुंबई स्थित इस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की सबसे बड़ी सार्वजनिक शेयरधारक बनी हुई है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें स्थिर रखीं, बाजार की चिंता बढ़ी

नए चेयरमैन वॉर्श ने छोड़ी अग्रिम अनुमान की परंपरा; निवेशक अब आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित

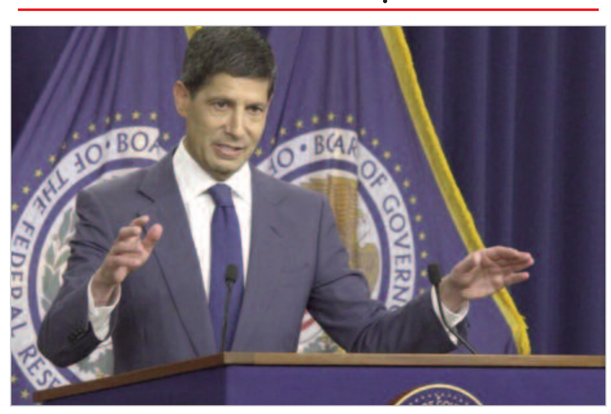

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दरों को बिना किसी बदलाव के 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के लक्षित दायरे में बरकरार रखा है, लेकिन केंद्रीय बैंक के मिले-जुले संदेशों और नए चेयरमैन केविन वॉर्श द्वारा पारंपरिक अग्रिम मार्गदर्शन प्रथा को छोड़ने से ब्याज दरों पर अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिससे बाजारों में अस्थिरता का जोखिम बढ़ गया है। फेड के इस फैसले का तीन सदस्यों ने विरोध किया, जिसे विश्लेषकों ने दरें बरकरार रखते हुए आक्रामक रुख माना है, जिससे भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। नए चेयरमैन केविन वॉर्श ने अग्रिम अनुमान की परंपरा छोड़ दी है, जिससे निवेशक अब फेड के अगले कदम के संकेतों के लिए आर्थिक आंकड़ों को खंगाल रहे हैं।

कई जानकारों का मानना है कि इससे बाजार में तेजी से उतार-चढ़ाव हो सकता है। उपभोक्ता महंगाई दर (3.5 फीसदी) अभी भी फेड के 2 फीसदी लक्ष्य से काफी ऊपर है, जबकि अमेरिका-ईरान तनाव तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ा रहा है। वॉर्श ने कीमतों पर दबाव बने रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी, पर तुरंत कदम उठाने का वादा नहीं किया। इस बीच, सितंबर में दरें बढ़ने की वायदा बाजार की संभावना पहले 77 फीसदी से घटकर 57 फीसदी रह गई। निवेशकों को वॉर्श से महंगाई नियंत्रण के लिए स्पष्ट रोडमैप की उम्मीद है।

प्रीति गोल्ड मेडल से एक कदम दूर

5-0 की जीत के साथ फाइनल में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के महिला 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। तीसरे राउंड में शानदार काउंटर अटैक और लगातार सटीक पंचों के दम पर प्रीति ने मुकाबले पर पूरा कंट्रोल बनाए रखा और अब गोल्ड मेडल मुकाबले में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से भिड़ेंगी। बॉक्सर प्रीति ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।

भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले के ज्यादातर समय म्वापे पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चालाकी से म्वापे को अपनी ओर आकर्षित किया और असरदार काउंटर-अटैक किए, जिसमें उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच खास तौर पर कारगर रहा।

फाइनल मुकाबले से पहले क्या बोलीं प्रीति पवार?

जीत के बाद प्रीति नें कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने वही किया जिसकी मैंने तैयारी की थी। गोल्ड मेडल के लिए मुझे कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैं कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेती और हमेशा अपने कोच के साथ मिलकर विस्तार से तैयारी करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं उन योजनाओं को सही ढंग से लागू कर पा रही हूं।'

प्रीति के खिलाफ म्वापे को करना पड़ा संघर्ष

मुकाबले के दौरान म्वापे को सटीक पंच लगाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और जब भी प्रीति ने कॉम्बिनेशन स्ट्राइक (लगातार कई पंच) किए, तो म्वापे को मार खानी पड़ी। जाम्बियन बॉक्सर के संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें पहले दो राउंड में तीन बार 'एट-काउंट' (रेफरी द्वारा गिनती) का सामना करना पड़ा।

प्रीति पवार की बड़ी उपलब्धियां

साल 2026 में प्रीति ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। इसके अलावा इसी साल उन्होंने गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में 54 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधत्व करने वाली प्रीति ने 2025 में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वो पहली बार सुर्खियों में साल 2022 एशियन गेम्स में आईं जब उन्होंने इस ब्रोंज मेडल जीता था।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत की ओर से पहले रिकॉर्ड बन चुका है। भारतीय बॉक्सर 10 मेडल पक्का कर चुके हैं जो बॉक्सिंग में सर्वाधिक है। बर्मिंघम में भारत ने 7 मेडल जीते थे। 7 में से 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल शामिल था।

एक बेटे की मां और पीएचडी होल्डर सीमा कालीरमन ने मचाया तहलका

रोमांचक मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल किया अपने नाम

नई दिल्ली। जब किस्मत और मेहनत साथ हो तो फिर बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही भारत की डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी सीमा कालीरमन के साथ हुआ है। सीमा ने ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सीमा ने 58.65 मीटर का अपना बेस्ट थ्रो फेंका और मेडल जीता।

सीमा के महज दो थ्रो ही सही थे और बाकी फाउल के कारण अमान्य घोषित कर दिए गए थे। इन्हीं दो में से एक ने उन्हें मेडल दिला दिया। उन्हें कैमरून की मोनी नोरा अतिम टक्कर दे रही थीं। आखिरी थ्रो में अगर वह 58.65 मीटर से ज्यादा का थ्रो फेंक देतीं तो सीमा के हाथ से मेडल चला जाता, लेकिन किस्मत ने यहां उनका साथ दिया और कैमरून की खिलाड़ी पीछे रह गईं।

जमैका की समांथा हॉल ने 61.66 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

सीमा हैं पीएचडी होल्डर

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की।

रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन से ही सीमा ने अपने करियर के मुश्किल पड़ाव को पार किया और यहां तक का सफर तय किया। मां बनने के बाद सीमा को तमाम तरह की दिक्कतें आ रही थीं। वह सही से थ्रो भी नहीं कर पा रही थीं, लेकिन पति की मदद से उन्होंने सारी बाधाओं को पार किया।

सीमा ने जारी रखी परंपरा

ये उनका बड़े मंच पर पहला मेडल है। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में भारतीय महिलाओं के मेडल जीतने की परंपरा को जारी रखा है। यह भारत का महिला डिस्कस थ्रो में नौवां मेडल है। इसी के साथ सीमा कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की छठी महिला खिलाड़ी हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा

मुंबई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीम: ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

दलीप ट्रॉफी 2026-27

जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने

मुंबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए खेलने की मंजूरी दे दी है। बुमराह को फिटनेस के आधार पर चुना गया था क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर रहना पड़ा था।

BCCI के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने COE के जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।' श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त को गाले में शुरू होगी और दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना जरूरी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए 9 टेस्ट मैचों में से 7 जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर होने वाली सीरीज से पहले श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना बहुत जरूरी है, क्योंकि न्यूजीलैंड का दौरा एक मुश्किल चुनौती हो सकता है।

वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

भारत को पहले से ही हर्षित राणा और नितीश रेड्डी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जो क्रमशः हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं और आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से खेल से दूर हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ का बड़ा ऐलान, भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।भारतीय फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टीम फीफा रैंकिंग के टॉप 5 में मौजूद किसी टीम से भिड़ेगी। ब्राजील मौजूदा रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। ब्राजील के फुटबॉल महासंघ ने भी इस मैच का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया के साथ भी दो मुकाबले खेलेगी। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह पूर्व विश्व विजेता टीम का पहला मैच होगा।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ञ्थ2ठ्ठ्य1द्ब्य्घ्द्द और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

,ढ्ढस्स्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3965

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3964 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

फिल्म वर्ग पहेली - 3965

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3964

सूडोकु -3965

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3964 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3965

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -3964 का हल

कमर और कंधे के दर्द से राहत दिलाएगी हीट थेरेपी

कई बार अधिक या लगातार काम करने के कारण मसल्स में जकड़न की समस्या होने की शिकायत हो जाती है। ऐसा आमतौर पर भारी चीजें उठाने से होता है। जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, जोड़ों, मसल्स आदि में दर्द का अहसास होता है। इसने बचने के लिए लोग दवाइयों का भी सहारा लेते है पर कभी वो ज्यादा अच्छा रिजल्ट नहीं दे पाती हैं। ऐसे में इस परेशानी से बचने के लिए आज हम आपको 6 ऐसे घरेलू उपचार के बारे में बताते हैं। जो आपको दर्द से आराम दिलाने के साथ रिलैक्स भी फील करवाने में मददगार साबित होंगे।

हीट थेरेपी

अक्सर ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने के लिए दर्द वाली जगह पर गर्म सेक किया जाता है। इसे हीट थेरेपी कहा जाता है। इसके इस्तेमाल से मांसपेशियों की जकड़न, जोड़ों, मसल्स और अर्थराइटिस के दर्द में आराम मिलता है। इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है।

कोल्ड थेरेपी

शरीर में सूजन की समस्या होने पर डॉक्टरों द्वारा कोल्ड थेरेपी की सलाह दी जाती है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप आइस पैक, कूलैंट स्प्रे, बर्फ से स्नान आदि कर प्रक्रिया को अपना सकते है। ये दर्द से आराम दिलाने के साथ तनाव कम करने और रिलैक्स फील करवाने में भी मदद करता है।

हल्दी

चोट लगने, खून की सफाई, मौसमी बीमारियों आदि के लिए हल्दी बेहद लाभकारी साबित होती है। ये डायटिबीज, हृदय रोगों, मोटापा आदि कम करने में भी मदद करता है। इसमें पाएं जाने वाले औषधि गुण मांसपेशियों को आराम दिलाकर रिलैक्स फील करवाने में मदद करती है। रात को सोने से पहले हल्दी के दूध का सेवन करने से यह कंधे से लेकर पैर तक पूरे शरीर में होने वाले दर्द से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद है।

चेरी जूस

चेरी में पाए जाने वाले बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स पॉलीफेनॉल्स, एंथोसायनिन, मेलानिन, एंटीऑक्सिडेंट गुण मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह मसल्स में होने वाले दर्द में फायदेमंद साबित होता है। रिसर्च के मुताबिक इसका जूस पीने से अच्छी नींद आने के साथ दिमाग भी स्वस्थ रहता है। इससे शरीर में होने वाले दर्दों से आराम मिलता हैं।

एसेंशियल ऑयल मसाज

कंधे और कमर में दर्द होने पर एसेंशियल ऑयल मसाज से की गई मसाज राहत दिलाने में मददगार होती है। इससे मांसपेशियों की जकड़न, सूजन के साथ तनाव से भी राहत मिलती हैं। मालिश करने से शरीर पूरी तरह से खुल जाता है और हल्का सा अनुभव होता है।

ब्लूबेरी

एंटीऑक्सिडेंट, इंफ्लामेटरी और पॉलीफेनोल गुणों की भरपूर मात्रा होने से ये शरीर के डैमेज टिशू को ठीक करने में मदद करता है। शरीर में पड़ी ऐंठन, कंधे या कमर दर्द से राहत पाने के लिए आप इसकी स्मूदी बना कर भी पी सकते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

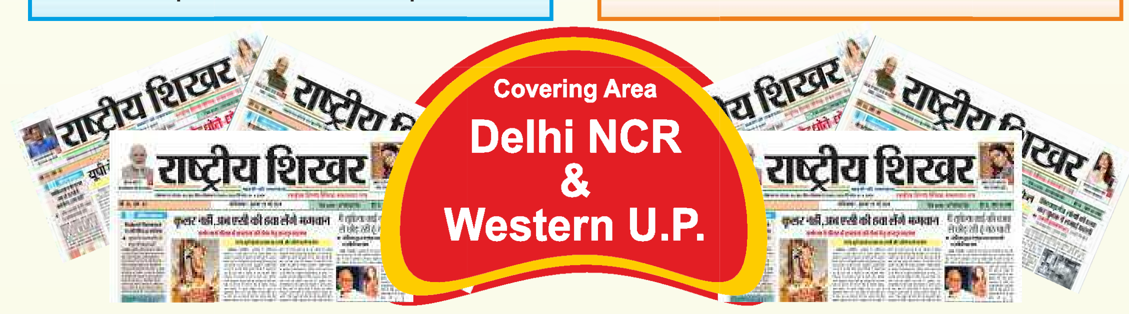

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट रहेंगे

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए

प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने की जरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नहीं है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे।' शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्ज़न के साथ शहनाज़ गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी कपूर

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती हैं कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं। 'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा।

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने का आरोप लगाया

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं।

अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम एक्स पर शेयर किए गए एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा। पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अब अच्छे किरदार मिल रहे हैं

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।'

बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है।

फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपॉइंट पर हुआ जोरदार धमाका, सात पुलिसकर्मी की मौत और 22 घायल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों हालात बेहद खराब हैं। इस बीच पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तान के उत्तरी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में आतंकवादियों के एक ग्रुप ने पुलिस चेकपॉइंट पर हमला कर दिया। इसमें कम से कम सात पुलिसकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर तारिक हबीब ने बुधवार देर रात स्थानीय मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए और छह दूसरे घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए इलाके में क्लीयरेंस ऑपरेशन जारी है। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को आतंकियों ने लगातार निशाना बनाया है, जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं। इससे पहले 23 जुलाई को खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें सुरक्षा कर्मियों, पुलिस और वन विभाग के एक अधिकारी समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हुई थी। वाशिंगटन अमेरिका में सात साल से रहने वाले भारतीयों को अब ग्रीन कार्ड मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी आप्रवासन को लेकर नया प्रस्ताव आया है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने नया बिल पेश किया है। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त आप्रवासन नीति के जवाब में लाया गया है। इस बिल का मकसद अमेरिका में कम-से-कम सात साल से लगातार रह रहे भारतीयों को ग्रीन कार्ड देना है। इससे एच-1बी वीजाधारकों को खास फायदा मिल सकता है। इस प्रस्ताव से 80 लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा। पैडिला के मुताबिक, कांग्रेस इन लोगों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। हालांकि, रिपब्लिकन इसके उलट काम कर रहे हैं, इसलिए बिल का पास होना फिलहाल मुश्किल लगता है।

नेपाल : सांप्रदायिक हिंसा पर सर्वदलीय बैठक, शांति की अपील

सुनसरी , एजेंसी। पूर्वी नेपाल के सुनसरी जिले में दो धार्मिक समुदायों के बीच हुई हिंसा के बाद बुधवार को सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। आठ राजनीतिक दलों के नेताओं ने साझा बयान जारी कर सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता और शांति बनाए रखने की अपील की है। रविवार को भारत सीमा से सटे कप्तानगंज में झड़प के दौरान पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने घटना पर दुख जताते हुए पीड़ितों को न्याय का आश्वासन दिया है।

कांगो में तेजी से फैल रहा इबोला, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- प्रयासों में तेजी लाना जरूरी

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला से निपटने के प्रयासों को बढ़ाने की अपील की है, क्योंकि महामारी का फैलाव बचाव के प्रयासों की तुलना में बहुत तेजी से हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ इबोला समन्वयक जूलियन हार्नीस और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने बुधवार (स्थानीय समय) को डीआरसी के इतुरी प्रांत की राजधानी बूनिया से एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में यह अपील की। ??बूनिया इबोला के प्रकोप का केंद्र भी है। हार्नीस ने कहा, 'पिछले 24 घंटों में कांगो में इबोला से 50 लोगों की मौत हुई है और मामलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो हर 20 दिन में दोगुनी हो रही है। यह हमारे बचाव के प्रयासों की गति की तुलना में कहीं अधिक तेज वृद्धि है और इसलिए महामारी और हमारे बचाव के प्रयासों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। स्काऊ ने कहा कि डीआरसी में इबोला का प्रकोप अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला संकट है। 'तुलना करें तो, पिछले दो महीनों में (डीआरसी में) 1,000 लोगों की मौत हुई है। जबकि पश्चिम अफ्रीका में 8 महीने में 1,000 लोगों की मौत हुई थी।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बचाव के प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की मांग की। स्काऊ ने कहा कि पूर्वी डीआरसी में लंबे समय से चल रहे संघर्ष के कारण लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग खाद्य असुरक्षा के संकट या आपातकालीन स्थिति में हैं। इबोला के प्रकोप का केंद्र इतुरी सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां लगभग 20 लाख (2 मिलियन) लोगों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है। हार्नीस ने कहा, 'बचाव के प्रयासों को तत्काल बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें अधिक फंडिंग, आपूर्ति, चिकित्सा दल और जरूरतमंदों तक पहुंच शामिल है।

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा, अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे।

ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी। सैन्य कार्रवाई रोकने का विधेयक फिलहाल अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी कमेटी के पास है।

ट्रंप के हमलों के बाद बढ़ी थी मांग

पिछले हफ्तों में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बाद विपक्षी डेमोक्रेटिक सांसद और कुछ रिपब्लिकन सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि युद्ध जैसे बड़े फैसले संसद की मंजूरी से ही हों। उनका तर्क है कि संविधान के मुताबिक युद्ध घोषित करने का अधिकार कांग्रेस के पास हैं, राष्ट्रपति के पास नहीं है। लेकिन गुरुवार की वोटिंग में रिपब्लिकन बहुमत ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। उनका कहना है कि विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में राष्ट्रपति को तेजी से फैसला लेने की आजादी मिलनी चाहिए।

ईरान ने दी अमेरिका को चेतावनी

इस बीच ईरान से भी कड़ी प्रतिक्रिया आई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि केश्म आईलैंड पर हुई अमेरिकी बमबारी में नागरिकों की मौत के लिए पूरी तरह से अमेरिका जिम्मेदार है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि अमेरिका को इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। केश्म आईलैंड पर हुए हमले में कितने लोग मारे गए, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। लेकिन ईरानी मीडिया ने इसमें कई आम नागरिकों के मारे जाने का दावा किया है।

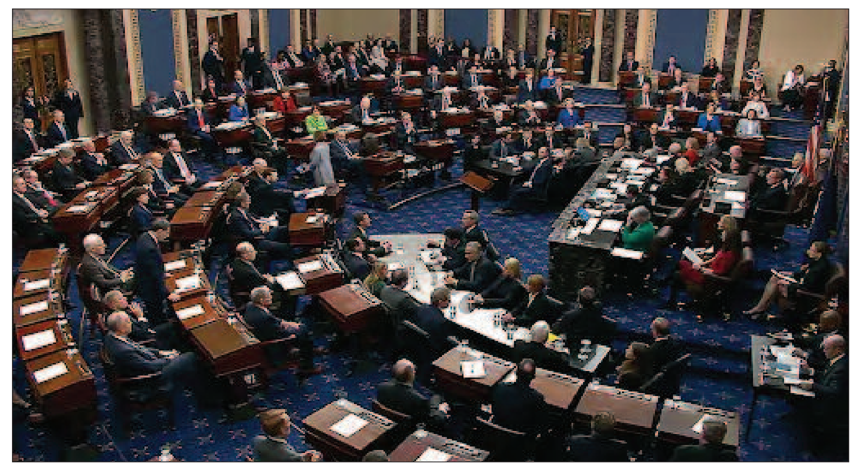

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा; मॉल के मलबे में रेस्क्यू जारी

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं।

यात्सुशिरो शहर की निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में चिमनी गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग अब भी लापता हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख : प्रधानमंत्री तकाइची ने भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार तेजी से नुकसान का जायजा ले रही है। सभी संबंधित मंत्रालय और सरकारी एजेंसियां राहत और बचाव के शुरुआती काम में जुटी हुई हैं।

450 राहत शिविर बनाए गए

प्रधानमंत्री ने बताया कि लगभग 450 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां करीब 7,700 लोग ठहरे हुए हैं। सरकार इन शिविरों में खाना-पानी, बिस्तर, सफाई का सामान, टॉयलेट पेपर, एयर कंडीशनर और बिजली की व्यवस्था जैसी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने में लगी हुई है।

राहत-बचाव अभियान हुआ तेज : उन्होंने कहा 'मैंने अधिकारियों से फिर कहा है कि वे प्रभावित लोगों और स्थानीय प्रशासन की जरूरतों को ठीक से समझें और राहत शिविरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें। खासकर गर्मी को देखते हुए हीट स्ट्रोक से बचाव के पूरे इंतजाम किए जाएं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में लोग अपनी गाड़ियों में रह रहे हैं, इसलिए मैंने पर्याप्त पेट्रोल उपलब्ध कराने और स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि लंबे समय तक गाड़ी में बैठे रहने से होने वाली 'इकोनॉमी क्लास सिंड्रोम' जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके।

बिजली-पानी बहाल करने पर जोर

उन्होंने कहा कि सरकार बिजली और पानी जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। वहीं, जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्स पानी पहुंचाने और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाने का काम कर रही है।

पीएम ने बुलाई आपात बैठक : बुधवार को प्रधानमंत्री तकाइची ने कुमामोटो भूकंप को लेकर दूसरी आपातकालीन आपदा प्रबंधन बैठक की। इस बैठक में कुमामोटो के गवर्नर किमुरा और कैबिनेट कार्यालय के उपमंत्री त्सुशिमा ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर किया पोस्ट : उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'बचाव और राहत अभियान के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्स के जवानों की संख्या बढ़ाकर लगभग 4,600 कर दी गई है। इसके अलावा करीब 2,000 पुलिसकर्मी और 1,400 अग्निशमन कर्मी भी लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। उन्होंने लिखा, 'राहत-बचाव का काम समय के खिलाफ एक दौड़ है। 'आईओएन मॉल कुमामोटो' और 'निप्पॉन पेपर यात्सुशिरो मिल' समेत कई जगहों पर अभी भी लोग फंसे हुए हैं और उन्हें बचाए जाने का इंतजार है।

मौत की सजा और गिरफ्तारी के खतरे के बावजूद दिसंबर तक बांग्लादेश लौटेंगी हसीना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर अपने देश लौटने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बड़ा बयान दिया है। समाचार एजेंसी एएफपी को दिए ईमेल इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह इस साल दिसंबर तक हर हाल में अपने देश बांग्लादेश लौटेंगी, चाहे उन्हें गिरफ्तार किया जाए, जेल भेजा जाए या फांसी का सामना करना पड़े। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद सत्ता छोड़कर भारत आई शेख हसीना फिलहाल दिल्ली में निर्वासन का जीवन बिता रही हैं।

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इसके बावजूद हसीना का कहना है कि वह अपने लोगों की पुकार पर वापस लौटेंगी और अदालत का सामना करेंगी। इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि मृत्यु भी आए तो वह अपनी मातृभूमि पर आए, जहां उनके माता-पिता दफन हैं। हसीना के इस बयान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर भुचाल आ गया है।

मौत की सजा के बावजूद वापसी का ऐलान

बता दें कि इससे पहले रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में भी उन्होंने दिसंबर तक देश लौटने और अदालत का सामना करने की बात कही थी, ताकि वह अपने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हो सकें जिनका दमन किया जा रहा है।

मेरी मौत मेरे देश में हो- शेख हसीना

शेख हसीना ने आगे कहा था कि 'मैं चाहती हूं कि अगर मौत आए तो मेरी अपनी धरती पर आए, जिस स्थान पर मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।' उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान 1975 में एक सैन्य विद्रोह में मारे गए थे। जिसके बाद सैनिकों की एक टुकड़ी ने राष्ट्रपति आवास के अंदर घुसकर शेख मुजीबुर रहमान के साथ उनकी पत्नी और बेटों की भी निर्मम हत्या कर दी थी। इस हमले में शेख मुजीब की केवल दो बेटियां, शेख हसीना और शेख रेहाना ही जिंदा बची थीं, क्योंकि वे बांग्लादेश से बाहर थीं।

जॉर्डन हमले का अमेरिका ने लिया बदला: ईरान के कई ठिकानों पर बरसाए बम

वाशिंगटन, एजेंसी। जॉर्डन में अपने सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के कई रक्षा और मिसाइल ठिकानों पर जोरदार पलटवार किया है। इस भीषण सैन्य कार्रवाई और समुद्री हमलों के कारण पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ गया है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है।

जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसके बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमान के मुताबिक, यह अभियान करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। हमलों में सैन्य कमान केंद्र, मिसाइल और ड्रोन से जुड़े ठिकानों के अलावा कुछ वायु रक्षा प्रणालियों पर भी हमला किया गया।

ट्रंप ने क्या-क्या कहा : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले का जवाब देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों और हितों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। उधर, ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित केशम द्वीप पर दो लोग घायल हुए हैं। वहीं दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम इलाकों में कई धमाकों की भी खबर है।

किन-किन देशों तक पहुंचा संघर्ष : तनाव का असर अब दूसरे देशों में भी दिखने लगा है। मिस्र के दमिएटा बंदरगाह पर खड़े दो गैस जहाजों पर ड्रोन हमले की खबर है। हमले के बाद दोनों जहाजों में आग लग गई। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि ईरान समर्थित इराकी गुटों ने उसके तेल ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं यमन के हूथी विद्रोहियों ने सऊदी ऊर्जा ठिकानों पर हमले की जिम्मेदारी ली है।

तेल बाजार पर क्या असर : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 7.3 प्रतिशत बढ़कर 88.09 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अरब देशों की मध्यस्थता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। फिलहाल किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। लगातार बढ़ते संघर्ष ने पूरे क्षेत्र में युद्ध का खतरा और बढ़ा दिया है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता गहरा गई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने के लिए ओमान, कतर और कुछ अन्य खाड़ी देश लगातार मध्यस्थता की कोशिश कर रहे थे। हालांकि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले और उसके बाद अमेरिका की बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के बाद बातचीत की प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई है। दोनों देशों की ओर से फिलहाल किसी औपचारिक वार्ता की घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में निकट भविष्य में युद्धविराम या तनाव कम होने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है जॉर्डन की सेनाओं ने कहा कि गुरुवार तड़के ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

नेतन्याहू से मुलाकात के अगले दिन ही एक्शन में डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका ने ईरान पर फिर किया अटैक

वाशिंगटन , एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वाइट हाउस में हुई मुलाकात के अगले ही दिन पश्चिम एशिया में तनाव फिर चरम पर पहुंच गया है। कूटनीतिक बातचीत के बीच अमेरिका ने ईरान पर दोबारा हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के मुताबिक यह कार्रवाई जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में की गई है। पहले से ही जारी तनातनी के बीच अब ताजा हमलों ने चिंताएं और बढ़ा दी है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू से करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की थी।

इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने रिश्ते को बेहद सकारात्मक भी बताया था। दोनों पक्षों ने एक बयान जारी कर ईरान पर एकजुटता का संदेश भी दिया था। यह अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी में शुरू हुए युद्ध के बाद से ट्रंप और नेतन्याहू की पहली मुलाकात थी।

इस बैठक के तुरंत बाद ईरान ने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि दावा है कि अमेरिकी रक्षा प्रणालियों ने सभी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। इसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्थानीय समयानुसार बुधवार रात 8 बजे से ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिए।

ट्रंप ने दी थी चेतावनी : इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्डन में अमेरिकी बलों को निशाना बनाकर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान को करारा जवाब देगा और उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। बता दें कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच बीते जून महीने में हुआ समझौता पहले ही टूट गया था। अमेरिका ने जुलाई में करीब 2 सप्ताह तक ईरान पर लगातार हवाई हमले किए।

पीओके में प्रदर्शन बना खूनी संघर्ष?: पाक सेना की फायरिंग में 40 की मौत, यूएन पहुंचा मामला; दमन रोकने की मांग

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के लॉन्ग मार्च पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की अंधाधुंध फायरिंग में 40 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हिंसा के बाद पीओके के कई इलाके सुलग उठे हैं और मामला अब संयुक्त राष्ट्र के दरबार में पहुंच गया है। कमेटी की अगुवाई में 5 जून से जारी इस आंदोलन में आम लोग स्थानीय नागरिकों के आर्थिक व नागरिक अधिकारों की मांग कर रहे थे। जब हजारों प्रदर्शनकारी सफेद झंडे लेकर रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर बढ़े, तो पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उन पर सीधी गोलियां और आंसू गैस के गोले बरसाए। घटना के बाद मानवीय संकट गहरा गया।

जम्मू-कश्मीर ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन ने संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क को ज्ञापन सौंपकर हिंसा पर तत्काल रोक की मांग की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि निहत्थे नागरिकों पर सीधी गोलीबारी तुरंत रोकी जाए। रावलकोट में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ और मानवीय सहायता टीमें पहुंचाई जाएं। इधर मुजफ्फराबाद स्थित ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, रेड क्रॉस, एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच से यही अपील की है।

बच्चों के साथ महिलाओं पर हुए अत्याचार

स्थानीय कार्यकर्ताओं के अनुसार, बाग, कोटली, मीरपुर, रावलकोट व मुजफ्फराबाद के आवासीय इलाकों में सेना की छापेमारी और लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं और नाबालिग बच्चों को भी निशाना बनाया गया है। घटना के हफ्तों बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान सरकार की ओर से हताहतों के आधिकारिक और एकीकृत आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं, जिसे लेकर नागरिक समाज में काफी आक्रोश है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री बोले- पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सरकार प्रदर्शनकारियों से कोई बातचीत नहीं करेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखते हुए उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन बताया। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में आसिफ ने कहा, प्रदर्शनकारियों से कोई संवाद नहीं होगा। मैं उन्हें भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन मानता हूं। उन्होंने साफ किया कि सरकार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के पक्ष में नहीं है।

परिजनों का लाश भी नसीब नहीं : प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अधिकारियों द्वारा मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपने से रोका जा रहा है। रिश्तेदारों की सहमति के बिना ही शवों को दफनाया जा रहा है। आरोप है कि कुछ शवों को बेहद अपमानजनक तरीके से घसीटकर वाहनों में लादा गया। आंदोलनकारियों ने पाकिस्तानी मीडिया पर हिंसा के वास्तविक आंकड़ों को छिपाने और आंदोलन की गलत तस्वीर पेश करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जारी वीडियो और स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के बयान यह दर्शाते हैं कि स्थिति सरकारी दावों से कहीं अधिक भयावह है।

सलमान रुश्दी हमला मामला: अमेरिकी अदालत ने हादी मातार को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने वर्ष 2022 में न्यूयॉर्क में लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने के मामले में एक अमेरिकी नागरिक को संघीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराया है। बफेलो (न्यूयॉर्क) की एक संघीय जूरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के फेयरव्यू निवासी हादी मातार को दोषी करार दिया। उसे प्रतिबंधित विदेशी आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला को मदद देने की कोशिश करने, अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े आतंकवादी कृत्य में शामिल होने और आतंकवादियों को सहायता देने के आरोपों में दोषी पाया गया। न्यूयॉर्क के पश्चिमी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी माइकल डीजियाकोमो ने कहा कि अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े हादी मातार (28 वर्षीय) ने अपने मूल्यों को ईरान के नेताओं की उस आतंकवादी सोच के साथ जोड़ लिया, जो अक्सर हिंसा और इस मामले में हत्या की अपील करते हैं। 12 अगस्त 2022 को मातार ने सलमान रुश्दी की हत्या करने की कोशिश की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने यह हमला 1988 में प्रकाशित रुश्दी के उपन्यास 'सैटेनिक वर्सेज' को लेकर जारी किए गए फतवे को पूरा करने के मकसद से किया था। राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए. आइजनबर्ग ने कहा, मातार ने एक साल से अधिक समय तक हिजबुल्ला की हिंसक विचारधारा को अपनाया। ईरान के अयातुल्लाओं की ओर से जारी उस फतवे को लागू करने की तैयारी की, जिसमें रुश्दी की हत्या की बात कही गई थी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)